बर्षः- 06
अंकः- 53
मुरादाबाद
(Saturday)
13 June 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक

प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

नारीशक्ति को सलाम कर बोले प्रधानमंत्री, कहा- अंतरिक्ष से लेकर आर्थिक जगत में आत्मनिर्भर बनाने में अहम

प्रधानमंत्री मोदी ने नारीशक्ति को राष्ट्र निर्माण का आधार बताया है। उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में सरकार ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कई प्रयास किए हैं। आज विज्ञान, अंतरिक्ष और खेल जैसे हर क्षेत्र में महिलाएं अपनी प्रतिभा से देश का गौरव बढ़ा रही हैं।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की नारीशक्ति की जमकर सराहना की है। उन्होंने कहा कि विज्ञान, अंतरिक्ष और नए आविष्कारों जैसे क्षेत्रों में महिलाओं की सफलता देखकर उन्हें बहुत खुशी होती है। ड्रोन तकनीक जैसे आधुनिक क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी से देश के विकास की तस्वीर बदल रही है। यह बदलाव प्रगति के नए रास्ते खोल रहा है।पीएम मोदी ने बताया कि सरकार स्वयं सहायता समूहों को सक्रिय रूप से सहयोग दे रही है। इन समूहों की मदद से महिलाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर और स्वतंत्र बन रही हैं। पिछले 12 वर्षों के दौरान एनडीए सरकार ने महिलाओं के नेतृत्व में होने वाले विकास को प्राथमिकता दी है। आज इसका असर समाज के हर छोटे-बड़े क्षेत्र में साफ दिखाई देता है।पीएम ने आगे कहा, शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, आवास और खेल जैसे क्षेत्रों में महिलाएं प्रमुख भूमिका निभा रही हैं। इसके साथ ही व्यापार, विज्ञान और शासन में भी उनकी भागीदारी बढ़ी है। सरकार की कोशिशों का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को सम्मान, अवसर और मजबूती देना है। इससे एक ऐसा माहौल बना है जहां महिलाएं अपनी पूरी क्षमता का उपयोग कर राष्ट्र निर्माण में बड़ा योगदान दे रही हैं।प्रधानमंत्री ने अपनी नियमित पोस्ट %सुभाषितम% में एक श्लोक साझा किया, जिसमें उन्होंने लिखा-%नारी त्रैलोक्यजननी, नारी त्रैलोक्यरूपिणी। नारी त्रिभुवनाधारा, नारी शक्तिस्वरूपिणी॥% साथ ही उन्होंने कहा कि भारत की नारी शक्ति ही राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। हमारी माताएं, बहनें और बेटियां अपनी अद्भुत प्रतिभा और कौशल से माँ भारती का गौरव बढ़ा रही हैं। सरकार महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

संक्षिप्त समाचार

भारत की दो-टूक: यूरोपीय हथियार के सवाल पर जयशंकर का पलटवार, बोले- हमने कभी यूरोप को खतरा नहीं पहुंचाया

फिनलैंड में आयोजित कुल्तारांता वार्ता के दौरान विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने यूरोप की नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि किसी भी यूरोपीय देश पर भारतीय हथियारों से हमला नहीं हुआ है, जबकि वर्षों से यूरोपीय हथियार भारत के खिलाफ इस्तेमाल होते रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत ने कभी यूरोप की सुरक्षा को खतरा नहीं पहुंचाया। भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने यूरोप की ओर से रूस से तेल खरीद को लेकर उठाए जाने वाले सवालों का जवाब देते हुए एक ऐसा मुद्दा उठाया है, जिसने वैश्विक राजनीति में दोहरे मानकों पर नई बहस छेड़ दी है। फिनलैंड में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान जयशंकर ने कहा कि यूरोप वर्षों से ऐसे हथियार बेचता रहा है जिनका इस्तेमाल भारत के खिलाफ हुआ है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि भारत ने कभी ऐसा कोई कदम नहीं उठाया जिससे किसी यूरोपीय देश की सुरक्षा को खतरा पहुंचा हो। उनका यह बयान भारत की विदेश नीति और राष्ट्रीय हितों को लेकर स्पष्ट रुख को दर्शाता है। जयशंकर ने दिया यह जवाब? फिनलैंड में आयोजित कुल्तारांता वार्ता के दौरान उभरती शक्तियां और नई भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा नाम के विषय पर चर्चा हो रही थी। इस दौरान जयशंकर से पूछा गया कि क्या भारत रूस के प्रति जरूरत से ज्यादा नरम रुख अपना रहा है और क्या वह रूस से तेल खरीदने को लेकर अधिक इच्छुक है।

मोदी सरकार के 12 सालः सीएम योगी बोले- पीएम मोदी ने देश को पॉलिसी पैरालिसिस और भ्रष्टाचार के दौर से बाहर निकाला

केंद्र में मोदी सरकार के 12 साल पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में लोकभवन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मीडिया को संबोधित किया और प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। प्रदर्शनी में बीते 12 साल में केंद्र की मोदी व प्रदेश सरकार की ओर से किए गए विकास कार्यों का प्रदर्शन किया गया। पीएम मोदी ने देश को भ्रष्टाचार और पॉलिसी पैरालिसिस के दौर से बाहर निकाला- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पीएम मोदी ने देश को पॉलिसी पैरालिसिस और भ्रष्टाचार से बाहर निकाला। 2014 के पहले भारत आकंठ भ्रष्टाचार में डूबा हुआ था। योजनाएं भ्रष्टाचार के कारण दम तोड़ देती थीं पर अब भारत दुनिया की सबसे तेज बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था में बदल चुका है।मोदी जी के नेतृत्व के कारण ही देश को आत्मविश्वास का एहसास हुआ। यही कारण है कि देश की सेनाएं अब दुश्मनों के घर में घुसकर वार कर रही हैं। दुनिया भारत की धमक को महसूस कर रही है। सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी ने भारत के सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने का रिकॉर्ड बनाया है। इसके लिए प्रदेश की जनता की तरफ से मैं उनका आभार व्यक्त करता हूं और ये कामना करता हूं कि उनका नेतृत्व देश को निरंतर मिलता रहे।सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने लोगों की आस्था को सम्मान देने का काम किया है। पीएम मोदी राम मंदिर के शिलान्यास, लोकार्पण और ध्वजारोहण समारोह में शामिल हुए। ऐसा करके देश की आस्था को सम्मानित किया। वहीं, आजादी के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री सोमनाथ मंदिर के कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए और जब राष्ट्रपति ने शामिल होने की कोशिश की तो उन्हें रोकने का प्रयास किया।सीएम योगी ने कहा कि ये पीएम मोदी की नेतृत्वक्षमता का ही प्रभाव है कि जब भी उन्होंने देश से आह्वान किया पूरा देश एक साथ खड़ा हुआ। कोरोना की त्रासदी में पीएम मोदी के आह्वान पर एक साथ खड़ा हुआ। इसी तरह जब आजादी का अमृत महोत्सव शुरू हुआ तब भी पूरा देश प्रधानमंत्री मोदी के साथ खड़ा हो गया। पीएम मोदी ने आजादी के बाद पहली बार गुलामी की मानसिकता को समाप्त करने का प्रयास किया और प्रधानमंत्री आवास का नाम बदलकर सेवातीर्थ किया और राजभवन का नाम जनभवन किया। सीएम योगी ने प्रदेश व केंद्र सरकार की योजनाओं का वर्णन करते हुए कहा कि पीएम मोदी के कार्यकाल में महिलाओं को हर क्षेत्र में आगे आने का मौका दिया गया। उनकी सुरक्षा और सम्मान को पहले स्थान पर रखा गया। इसके लिए बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत कार्य किया गया। सिर्फ इतना ही नहीं देश की महिलाएं कानून निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं इसके लिए नारी शक्ति वंदन कानून लाया गया। अब देश की महिलाएं देश के विकास के लिए कानून का निर्माण भी कर सकेंगी। मोदी सरकार ने युवाओं को अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया और मुद्रा योजना का शुभारंभ किया। विश्वकर्मा योजना सहित तमाम योजनाओं के माध्यम से सशक्त करने का प्रयास किया गया।सीएम योगी ने प्रदेश व केंद्र सरकार की योजनाओं का वर्णन करते हुए कहा कि पीएम मोदी के कार्यकाल में महिलाओं को हर क्षेत्र में आगे आने का मौका दिया गया। उनकी सुरक्षा और सम्मान को पहले स्थान पर रखा गया। इसके लिए बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत कार्य किया गया। सिर्फ इतना ही नहीं देश की महिलाएं कानून निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं इसके लिए नारी शक्ति वंदन कानून लाया गया। अब देश की महिलाएं देश के विकास के लिए कानून का निर्माण भी कर सकेंगी। मोदी सरकार ने युवाओं को अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रोत्साहित किया और मुद्रा योजना का शुभारंभ किया। विश्वकर्मा योजना सहित तमाम योजनाओं के माध्यम से सशक्त करने का प्रयास किया गया।सीएम योगी ने प्रदेश व केंद्र सरकार की योजनाओं का वर्णन करते हुए कहा कि पीएम मोदी के कार्यकाल में महिलाओं को हर क्षेत्र में आगे आने का मौका दिया गया। उनकी सुरक्षा और सम्मान को पहले स्थान पर रखा गया। मोदी सरकार ने किसानों को अपने एजेंडे में रखा और कई योजनाओं का शुभारंभ किया। प्रदेश के तीन करोड़ किसान किसान सम्मान निधि का लाभ ले रहे हैं। यूपी में अकेले गन्ना किसानों को तीन लाख 22 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। किसानों को उनकी फसल का दाम मिल रहा है।सीएम योगी ने कहा कि 12 साल में जनता ने महसूस किया कि सरकार का काम सिर्फ योजनाओं का निर्माण नहीं होता है बल्कि उनका कार्यान्वयन भी बेहद जरूरी है। पीएम मोदी पहले ऐसे नेता हैं जिन्होंने ये कहने का साहस किया कि देश में सिर्फ चार जातियां हैं जो कि गरीब, महिला, युवा और किसान है। पीएम मोदी के नेतृत्व में देश के 25 करोड़ गरीबों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला गया है। जनता को जन धन योजना, उज्जवला योजना और आयुष्मान योजना का लाभ मिला। करोड़ों लोगों को सरकारी आवास मिला। पीएम मोदी के नेतृत्व के कारण ही यूपी की पहचान बदली और प्रदेश विकास के रास्ते पर आगे बढ़ने लगा।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मीडिया संवाद को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसा नेता मिलना सौभाग्य की बात है।

लखनऊ में उमड़े कॉकरोचः पेपर लीक को लेकर प्रदर्शन, शिक्षा मंत्री का मांगा इस्तीफा, धरने पर बैठे अभिजीत दीपके

राजधानी लखनऊ में युवाओं ने कॉकरोच जनता पार्टी के नेतृत्व में पेपर लीक और परीक्षाओं में अनियमितता को लेकर जमकर विरोध प्रदर्शन किया और शिक्षामंत्री के इस्तीफे की मांग की।राजधानी लखनऊ के ईको गार्डेन में शुक्रवार को कॉकरोच जनता पार्टी के नेतृत्व में युवाओं ने पेपर लीक और परीक्षाओं में हो रही अनियमितता को लेकर प्रदर्शन किया। इस मौके पर बड़ी संख्या में युवा एकत्रित हुए। युवाओं ने प्रदर्शन करते हुए नीट पेपरलीक मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

वहीं, प्रदर्शन को देखते हुए ईको गार्डेन और आसपास के क्षेत्रों में बड़ी संख्या में पुलिस बल व आरएएफ की टीमों की तैनाती की गई थी। लखनऊ आगमन पर सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने कहा कि हम शांतिपूर्ण प्रदर्शन करेंगे। अभिजीत जब ईको गार्डेन में प्रदर्शन में शामिल होने पहुंचे तो भीड़ में फंस गए। हालांकि, कुछ देर बाद प्रदर्शनकारियों से मिले और उन्हें संबोधित किया और फिर धरने पर बैठ गए।

इसके पहले सीजेपी के नेतृत्व में दिल्ली के जंतर मंतर और पुणे में प्रदर्शन किया। लखनऊ के बाद अमृतसर और बेंगलुरु में प्रदर्शन किया जाएगा, इसके बाद 20 जून को दिल्ली के जंतर-मंतर पर बड़ा प्रदर्शन होगा। प्रदर्शन में शामिल होने के लिए पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके पहुंचे। इस दौरान वो भीड़ में भी फंस गए। हालांकि, उन्होंने प्रदर्शन को संबोधित किया और कहा कि सरकार को शिक्षामंत्री से इस्तीफा लेना चाहिए।युवा-आधारित आंदोलन का यह प्रदर्शन दिल्ली से शुरू हुए देशव्यापी आंदोलन का हिस्सा है, जो राज्य की राजधानी में इको गार्डन में आयोजित हुआ है।प्रदर्शन के दौरान युवाओं ने राज्य में अलग-अलग परीक्षाओं में सामने आई अनियमितता का मुद्दा उठाया और सरकार से जवाब मांगा।प्रदर्शन को लेकर प्रशासन ने पहले से ही तैयारियां कर ली थीं। ईको गार्डेन और आसपास के क्षेत्रों में पुलिस बल के साथ ही रैपिड एक्शन फोर्स की भी तैनाती की गई थी।

गो-रक्षक को वोट दें, गो - हत्यारों को नहीं...गोवर्धन से शंकराचार्य का संदेश

गोवर्धन में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि मतदान करते समय गो संरक्षण और सनातन मूल्यों को ध्यान में रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि मतदाता का एक वोट उसे गो-रक्षक भी बना सकता है और गो-हत्यारा भी, इसलिए सोच-समझकर मतदान करें।

ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती शुक्रवार को गोवर्धन पहुंचे, जहां श्री राधा कृष्ण कृपा धाम आश्रम में हिंदूवादी कार्यकर्ताओं और गो-रक्षकों ने उनका भव्य स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने गो माता के संरक्षण, मतदान की जिम्मेदारी और सनातन मूल्यों पर आधारित शासन व्यवस्था को लेकर अपने विचार रखे।

अपने संबोधन में शंकराचार्य ने कहा कि गो माता भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा का आधार हैं। उनके संरक्षण और संवर्धन के लिए समाज के सभी वर्गों को आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद देशवासियों को मतदान का अधिकार मिला, लेकिन मतदान करते समय उसके परिणामों पर गंभीरता से विचार करना आवश्यक है।उन्होंने कहा, आपका वोट आपको गो रक्षक भी बना सकता है और गो हत्यारा भी। इसलिए मतदान सोच-समझकर और विचार करके करें। जिस पार्टी या उम्मीदवार की नीतियां गो संरक्षण के पक्ष में हों, उसे ही समर्थन दें, चाहे वह किसी भी दल से जुड़ा हो। शंकराचार्य ने बताया कि उनकी यह धार्मिक यात्रा मतदाताओं से संवाद स्थापित करने के उद्देश्य से की जा रही है।उन्होंने कहा कि समाज को अपने बीच से ऐसे लोगों को आगे लाना होगा जो सनातन मूल्यों और गो संरक्षण के प्रति समर्पित हों। उन्होंने कहा कि देश सनातनियों का है, इसलिए शासन व्यवस्था में भी सनातन मूल्यों का प्रतिबिंब दिखाई देना चाहिए। इस अवसर पर गो माता के संरक्षण के लिए एक नोट अभियान की शुरुआत की गई। अभियान के संचालन और विस्तार के लिए धीरज कौशिक को प्रतिनिधि नियुक्त किया गया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, गो-रक्षक और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने शंकराचार्य के विचारों को ध्यानपूर्वक सुना और गो संरक्षण के लिए सहयोग का संकल्प लिया। इस मौके पर दीनबंधु दास महाराज, गणेश पहलवान, हरेकृष्ण चौधरी, धीरज कौशिक, अमित गोस्वामी, श्रेयस आदि मोजूद रहे।

संपादकीय Editorial

The Paradox of Growth Rates

Lok Sabha Leader of the Opposition Rahul Gandhi predicts that the country is about to face an "economic tsunami" like no one has ever seen before. The Modi government may even impose an "Emergency" to suppress the public. Rahul Gandhi has again predicted that the Modi government will fall within a year. In retaliation, Prime Minister Modi sharply attacked the Congress party, saying that there are some pessimists in the country who mock the campaign for a self-reliant India. The Prime Minister believes that the country does not appreciate such chaos, despair, and uncertainty, and is therefore repeatedly rejecting the Congress party. During this "war of words," the National Statistical Office (NSO) of the Government of India surprised everyone by releasing data for the last quarter of 2025-26 (January-31 March). The economic growth rate in the fourth quarter was 7.8 percent, and the growth rate for the entire fiscal year was 7.7 percent. This is the highest in the world, although India's per capita income remains very low. However, this quarter also included a month of the Iran War, which began on February 28th. Reserve Bank of India Governor Sanjay Malhotra's assessment of the economy and growth rate is significant and critical. The Iran War has disrupted supply chains and created instability in the Indian market. Inflation will rise and GDP growth will decline. Our economy is also facing global turmoil. Therefore, the Reserve Bank's new estimate is that the growth rate in 2026-27 (the current financial year) could be 6.6 percent, compared to the previous estimate of 6.9 percent. Inflation could exceed 5.1 percent, compared to the previous estimate of 4.6 percent. The Reserve Bank Governor also believes that downside risks to the growth rate forecast remain. Foreign exchange has declined by ?4.4 lakh crore, yet we are in a comfortable position. However, the manufacturing sector, which used to contribute 18% to GDP, has declined to around 13%, while the Modi government had set a target of 25%. Two-thirds of households still depend on agriculture, but the growth rate for agriculture for the entire fiscal year was 3%, compared to over 5% last year.However, during the fourth quarter, the growth rate for agriculture was 3.6%. The increase in GDP is due to the service sector, trade, hotels, transport, tourism, and banking. Energy inflation has reached 24.71%, causing shortages to every section of the country, including the common man and the average household. Once again, the price of domestic LPG (14.2 kg) has been increased by ?29. On March 7th, the price was also increased by ?60 per cylinder. With jobs disappearing, inflation steadily rising, average incomes remaining stagnant, and the purchasing power of ordinary consumers failing to increase, how can the country's economic growth rate be robust? If the fundamental factors of the economy are not increasing, how can such a strong GDP growth rate be possible? The latest estimates from almost all major international agencies, including the Reserve Bank, predict India's GDP growth rate will be slightly over 6 percent, yet the government considers a figure of 7.7 percent a "stellar economy." Such contradictions regarding the economy and growth rate are serious. It is also noteworthy and worrying that over 1.6 million Indians have renounced their citizenship and settled abroad in recent years. Obviously, they would all be from the highest income groups! India is thus losing trade and foreign capital. Investments worth approximately ?2.6 lakh crore have left our market, suggesting that these investors no longer see much potential in our economy. However, India's real GDP during 2025-26 was projected to be ?323.12 lakh crore, a decline that further pushed the goal of becoming a $5 trillion economy even further.

The scourge of illegal and unplanned construction

Illegal and unplanned construction is a serious problem in the country, leading to numerous deaths in incidents like building collapses and fires in Delhi. Illegal construction leads to building collapses, fires, and loss of life. Government negligence, corruption, vote bank concerns, lack of accountability, and shoddy construction contribute to the rise in accidents. A few days ago, an illegally constructed building collapsed in the country's capital, killing six people. Subsequently, a fire broke out in an illegally constructed and operated hotel, killing 21 people. The scale of loss of life and property in such incidents, caused by collusion between the government machinery and illegal builders, is unparalleled. This trend has persisted for decades, yet there appears to be no scope for improvement. Due to the incompetence of municipal bodies across the country, including the capital, people continue to build houses, hotels, and other structures illegally. When illegal and unplanned construction is carried out without following standards, it is natural for these structures to collapse or catch fire due to disregard for safety standards. In most cases, those involved in illegal construction feel no moral responsibility, especially because they have no fear of the law. The disregard for laws and regulations in our country is rarely seen anywhere else. Discipline and responsibility are also denied in the country. The average person is unwilling to understand their responsibilities as a citizen, and the same applies to those in the government machinery. The situation of municipal bodies and officials charged with monitoring and regulating urban development is perhaps the worst. Despite their negligence and corruption, they face no exemplary punishment. Due to the negligence of municipal bodies, unplanned construction is not only occurring in the older areas of cities or in rural areas that have become urbanized over time. Now, it is also occurring in new areas developed by development authorities. In some places, people are demolishing houses to build flats, while in others, shops and other commercial buildings are being built. Building standards, safety measures, and especially fire safety measures, are ignored in such construction. When additional illegal construction occurs on dilapidated buildings in older cities or rural areas, they are at greater risk of collapse. Generally, when this illegal construction occurs, the officials and employees of municipal bodies responsible for the construction fail to take any action. In most cases, they allow illegal construction for money. They do not care that this will increase population pressure in a particular area or that commercial activities will increase congestion, pollution, and filth, and a lack of civic amenities. Though all sorts of rules and regulations are in place regarding urbanization, they are often violated. A major reason for this violation is the prioritization of vote banks by municipal representatives and other politicians. Sometimes, they themselves cooperate in illegal construction and even try to regularize illegal settlements. Governments also do this out of greed for vote banks. When this happens, further illegal construction and encroachments occur in such settlements. Today, no political party is serious about stopping illegal and unplanned construction. Due to this, the appearance of cities is deteriorating and the lack of civic amenities is increasing. Because government agencies fail to take any concrete action despite illegal construction of residential or commercial buildings, incidents of collapse or fire are increasing. In Delhi alone, the number of deaths and injuries due to fires in homes, hotels, and factories has increased in the last few months. According to one statistic, approximately 45 people have lost their lives in various fire incidents in Delhi in the last five months. In many incidents, it has been revealed that when a building collapses or catches fire, encroachments delay rescue workers from reaching the scene. This delay has resulted in the loss of many lives that could have been saved. Like illegal construction, encroachment on streets and main roads is also a major problem in our country. For some time now, the countrymen have been given the dream that the goal of becoming a developed nation will be achieved in the next 25 years, i.e., by 2047. However, a developed nation is not built solely on economic strength or progress in certain areas according to the standards of developed nations. India will become a developed nation only when government agencies and citizens follow the rules and regulations. Unfortunately, shortcuts have been found for every task in our country. Another problem is that the quality of all public construction projects in the country is deteriorating. Because quality is not paid attention to, engineers and contractors have lost the habit of producing quality work. Whenever loss of life or property occurs due to poor construction or neglect of safety measures, an investigation is initiated and compensation is announced for the families of the deceased. Then, cases drag on for years, and those responsible for the accidents, even if arrested, are released on bail. That is why everything continues as before and no fundamental improvement is taking place anywhere. In most cases, people forget about accidents, and investigation reports gather dust. Repeated accidents due to similar causes are a reflection of the government's failure and weak will. This weakness is what leads to corruption within the administrative system, exacerbating the problems.

Defeating Trump on the Strait of Hormuz

A quarter of the world's oil, a fifth of its gas, a third of its fertilizers, half of its sulfur, and a third of its helium pass through the Strait of Hormuz. Trump's efforts to reach a peace deal with Iran have failed. The closure of the Strait of Hormuz has impacted the global economy. Iran remains firm on its conditions, raising questions about America's credibility. On May 23, US President Donald Trump claimed in an internet post that a peace agreement with Iran had almost been reached, including the opening of the Strait of Hormuz. Nearly two weeks have passed, but neither has an agreement been reached nor has the Strait of Hormuz opened. Sometimes Trump says he is considering Iran's proposals, sometimes he says he is not satisfied with them, sometimes he says he is in no hurry, sometimes he says he is willing to meet with the Iranian Ayatollah to reach an agreement. Sometimes he asks other countries to help open the Strait of Hormuz. Sometimes he says he needs none. Diplomatic and strategic experts are also confused. Some believe that the expected victory and defeat in the war have already been achieved. Now, the test is underway to see who can endure the pain of the closure of Hormuz for how long. The OECD, an organization of the world's 38 developed democracies, has issued a warning of economic crisis, saying that if Hormuz is not opened within a month, the global economy will slow down for two years. Global economic growth is expected to decline from 3.4 percent to 2.1 percent this year and 1.8 percent next year. The Reserve Bank of India has also reduced its growth forecast from 6.9 percent to 6.6 percent and raised its inflation forecast to 5.1 percent. In the United States, growth is also estimated at 1.6 percent in the first quarter, while inflation has reached 3.8 percent, almost double the easing forecast of the US central bank, the Federal Reserve. Oil prices have doubled, and supplies are disrupted. Seeing all this, Iran fears that as the November midterm elections approach, Trump's patience will wear thin, and he will be unable to compromise on its terms. On the other hand, Trump believes that the Iranian people's patience will fail first. There are shortages of everything, and inflation has risen above 77 percent. One dollar has become equivalent to 1.8 million rials. Due to the blockade of Hormuz, Iran is unable to sell its oil, which is being stored in oil reservoirs and oil ships. However, such storage capacities have a limit. Once they are full, oil extraction will have to be stopped. Stopping this could cause the wells to fill with air and clog them. Therefore, sooner or later, Iran will be forced to accept America's conditions. Meanwhile, Iranian experts say that before the fighting began, Iran had already loaded approximately 125 billion barrels of oil onto ships and sent them to the seas near the coasts of Malaysia and China, to prevent them from falling into US hands. Iran could survive another three to four months by selling this oil. Israeli experts, meanwhile, believe that Netanyahu is the true root of the stalemate. He doesn't want Trump to reach a peace deal without seizing Iran's 465 kilograms of enriched uranium and uprooting the proxies like Hezbollah and the Houthis. Therefore, despite Trump's repeated ceasefire announcements, he is not halting his attacks. He considers Hezbollah a greater threat than Iran, because Iran is thousands of kilometers away, while Hezbollah is right on Israel's border. For Iran, Hezbollah is a weapon with which it has colonized Lebanon and from there controls both Israel and Syria. It's also possible that Netanyahu, with Trump's connivance, is bent on turning Hezbollah into a Hamas-like state. This move could be aimed at increasing pressure on Iran to hand over enriched uranium to them and open the Strait of Hormuz. Whatever the case, even right-wing American strategists are now conceding that Trump has been defeated in this war. Robert Kagan, a senior fellow at the Brookings Institution and co-founder of the New American Century Project, has been widely discussed in his article, "Checkmate in Iran," in which he describes the Iran war as the biggest defeat of American strategy. He argues that despite significantly decimating Iran's top leadership and military capabilities through 37 days of airstrikes, the US has failed to extract any major concessions from it. Iran is neither willing to provide enriched uranium, nor to give up its right to nuclear enrichment, nor to stop supporting proxy organizations. Moreover, it has further seized control of the Strait of Hormuz, creating a global energy crisis and slowing economic growth. A quarter of the world's oil, a fifth of gas, a third of fertilizers, half of sulfur, and a third of helium pass through the Strait of Hormuz. Its closure represents the most serious disruption to the global supply chain, which Trump has been unable to clear despite his best efforts. Kagan believes that this war has dealt the biggest blow to America's credibility. Iran, with its cheap and makeshift weapons, proved that America's powerful military, equipped with billions of dollars in arsenals, was unable to protect its bases, let alone its Gulf allies. America's credibility was not so severely damaged by its failure to defend Ukraine from Russia, despite promising to do so in the Budapest Declaration.

दुष्कर्म के सात घंटे बाद आरोपी के घर चला बुलडोजर, 72 घंटे में चार्जशीट, दूसरे दिन गिरफ्तारी

अमरोहा के रहरा थाना क्षेत्र में आठ वर्षीय बालिका से दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए वारदात के 72 घंटे के भीतर अदालत में चार्जशीट दाखिल कर दी। घटना के बाद आरोपी की गिरफ्तारी के लिए उसके घर पर ही दिन उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया वर्षीय बालिका से दुष्कर्म के बाद त्वरित वारदात के 72 घंटे के भीतर बृहस्पतिवार दी गई। सोमवार को दरिंदगी कर भागे कार्रवाई कर पुलिस ने मंगलवार सुबह उसकी थी।दरिंदगी की शिकार बच्ची अनुसूचित देख पुलिस ने कार्रवाई के लिए पहले कदम से एसपी लखन सिंह यादव खुद मौके पर बिना देरी एफआईआर दर्ज की गई और सात बजे उसके दरवाजे पर दो बुलडोजर भी पकड़ में न आने पर रात नौ बजे मकान था, जो आरोपी के हिस्से का था। इस उस हिस्से को ध्वस्त किया गया है जो लगीं पुलिस टीमें मंगलवार सुबह आरोपी जेल भेजने के साथ विवेचना से लेकर साक्ष्य

बुलडोजर कार्रवाई की गई और अगले गया।रहरा थानाक्षेत्र के एक गांव में आठ कार्रवाई की पुलिस की रफ्तार कायम है। को चार्जशीट न्यायालय में दाखिल कर आरोपी के घर पर सात घंटे में बुलडोजर गिरफ्तारी में कामयाबी हासिल कर ली वर्ग की और आरोपी दूसरे समुदाय का से ही तेजी पकड़ ली थी। जिला मुख्यालय पहुंचे थे। दोपहर दो बजे हुई वारदात में आरोपी के गिरफ्त में न आने पर शाम खड़े करके सरेंडर के लिए चेताया था।फिर के उस भाग पर बुलडोजर चलवा दिया बाबत एसडीएम ने कहा था कि मकान के अवैध निर्माण था। धर-पकड़ के लिए को दबोचने में सफल हो गई थीं।उसे संकलन तक की सभी जरूरतें पूरी करते हुए वारदात के 72 घंटे के भीतर चार्जशीट दाखिल कर दी गई। एसपी ने बताया कि मामले की विवेचना के दौरान पीड़िता के बयान, चिकित्सकीय रिपोर्ट, घटनास्थल से जुड़े साक्ष्य तथा अन्य कानूनी औपचारिकताएं समयबद्ध ढंग से पूरी की गईं। आरोपी के खिलाफ मात्र 72 घंटे के भीतर आरोप पत्र तैयार कर बृहस्पतिवार को कोर्ट में दाखिल कर दिया गया। उन्होंने कहा कि अब आरोपी को शीघ्र सजा दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

कला और समाजसेवा का सम्मान, मुरादाबाद के दो नामचीनों को पद्मश्री अवार्ड, राष्ट्रपति करेंगीं सम्मानित

मुरादाबाद जिले की दो हस्तियों को 23 जून को राष्ट्रपति भवन में पद्मश्री सम्मान प्रदान किया जाएगा। प्रसिद्ध शिल्प गुरु चिरंजीलाल यादव और बिलारी के स्वर्गीय रघुपत सिंह (मरणोपरांत) को यह सम्मान राष्ट्रपति के हाथों मिलेगा। रघुपत सिंह की हाथों जिले की दो हस्तियों शहर के जाने माने शिल्प (मरणोपरांत) 23 जून को पद्म श्री का अवार्ड मिलेगा। मामले में केंद्रीय गृह मंत्रालय की तरफ से निमंत्रण पत्र की सराय निवासी चिरंजीलाल यादव को 25 जनवरी की तरफ से की गई थी।इस मामले में केंद्रीय गृह अवार्ड देने के लिए 23 जून को राष्ट्रपति भवन बुलाया मेरिट अवार्ड और 2019 में शिल्प गुरु का अवॉर्ड भी शिल्प गुरु चिरंजी लाल यादव ने बताया कि सातवीं लिए पीतल पर नक्काशी का काम सीखना शुरू कर उन्होंने मेहराव वर्क, वर्मा बिदर वर्क, पंचरंगा वर्क, शिल्प गुरु अपनी कला का प्रदर्शन केंद्र सरकार की इसके पहले 2010 में बांग्लादेश की राजधानी ढाका की सरकार ने उनको राज्य दक्षता पुरस्कार के रूप में

ओर से उनकी पत्नी पुरस्कार ग्रहण करेंगी। राष्ट्रपति के गुरु चिरंजीलाल यादव और बिलारी के स्व. रघुपत सिंह रघुपत सिंह का अवार्ड उनकी पत्नी को दिया जाएगा।इस दोनों परिवारों को मिल गया है। कटरा पूरनजाट जीवन 2026 को पद्म श्री देने की घोषणा केंद्रीय गृह मंत्रालय मंत्रालय ने शिल्प गुरु चिरंजीलाल यादव को पद्मश्री है। शिल्प गुरु ने बताया कि उनको 2008 में नेशनल मिला था।गुरु अमर सिंह ने हुनर के सांचे में ढाला- कक्षा तक की पढ़ाई करने के बाद उन्होंने आजीविका के दिया। गुरु अमर सिंह ने नक्काशी का हुनर सिखाया। अंगूरी बर्क, फाइन वर्क, मरोड़ी वर्क का काम भी किया। पहल पर 2015 में जर्मनी के फ्रैंकफुर्त में कर चुके हैं। और मलेशिया में गए थे। पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह पहला अवॉर्ड दिया था। इसके बाद 1994, 1995, 1998 और 1999 में राज्य दक्षता पुरस्कार मिले थे। रघुपत सिंह ने देश को सब्जियों की नई प्रजातियां दीं समाथल गांव निवासी रघुपत सिंह (मरणोंपरांत) को दिल्ली में राष्ट्रपति के हाथों पद्मश्री अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा। यह अवॉर्ड राष्ट्रपति भवन के गणतंत्र मंडप में आयोजित समारोह में उनकी पत्नी प्रेमवती लेने के लिए जाएंगी। रघुपत सिंह को बीजों के संवर्धन, संरक्षण, लौकी और अन्य सब्जियों की नई प्रजातियों को तैयार किया था। इसी खोज के चलते केंद्र सरकार ने 25 जनवरी को उनको पद्मश्री से सम्मानित करने की घोषणा की थी। एक जुलाई 2025 को रघुपत सिंह की समाथल गांव में बीमारी के चलते मृत्यु हो गई। रघुपत सिंह के बेटे सुरेंद्रपाल सिंह ने बृहस्पतिवार को बताया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधिकारी कमलेश रविदास की ओर से उनकी माता प्रेमवती के नाम भेजे गए पत्र से जानकारी मिली है। उनके पिता रघुपत सिंह (मरणोपरांत) के लिए घोषित पद्मश्री अवार्ड अब उनकी मां प्रेमवती को दिया जाएगा। इस संबंध में सुरेंद्रपाल सिंह का कहना है कि शासन ने उनके पिता को मरणोपरांत पद्मश्री से सम्मानित करेगा लेकिन आश्रितों की तरफ सरकार ने कोई ध्यान नहीं दिया है। उन्होंने केंद्र सरकार से आश्रितों को उचित आर्थिक मदद की मांग की है।

निकाह से पहले प्रेमी ने की थी विधवा की हत्या, पुलिस मुठभेड़ में लगी गोली, इसलिए घोटा महिला का गला

उझारी में चार बच्चों की मां आयशा की हत्या कर फरार हुए आरोपी प्रेमी परवेज को सैदनगली पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। गोली लगने के कारण उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उझारी में चार बच्चों की मां की हत्या कर फरार मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की घायल आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल में आयशा (40) के पति की तीन वर्ष पहले मौत हो उझारी में किराये के मकान में रह रही थी। आयशा था।दोनों बुधवार को निकाह करने वाले थे। परवेज ठहरा हुआ था। बुधवार सुबह जब बच्चे सोकर उठे परवेज मौके से फरार था। मृतका के 17 वर्षीय बेटे दुपट्टे से गला दबाकर हत्या किए जाने की पुष्टि हुई। कर उसकी तलाश शुरू कर दी। पुलिस अधीक्षक सैदनगली पुलिस की टीमें लगातार दबिश दे रही सांपा मार्ग के पास चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान

हुए आरोपी प्रेमी को सैदनगली पुलिस ने बृहस्पतिवार तड़के जवाबी फायरिंग में आरोपी के दाहिने पैर में गोली लगी है। भर्ती कराया गया है।मूल रूप से संभल के मोहल्ला कोट निवासी चुकी थी। वह पिछले चार महीने से अपने चार बच्चों के साथ का संभल के नूरिया सराय निवासी परवेज से प्रेम प्रसंग चल रहा पिछले कुछ दिनों से उर्स देखने के बहाने आयशा के घर पर ही तो कमरे में आयशा का खून से लथपथ शव पड़ा मिला। वहीं, साहिल ने पुलिस को घटना की सूचना दी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में इसके बाद पुलिस ने परवेज के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज लखन सिंह यादव के निर्देश पर आरोपी की गिरफ्तारी के लिए थीं।तड़के करीब चार बजे पुलिस गंगा एक्सप्रेसवे पर उझारी- एक संदिग्ध व्यक्ति दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया तो उसने खुद को घिरता देख पुलिस टीम पर जानलेवा फायरिंग कर दी। अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदोरिया ने बताया कि आरोपी द्वारा चलाई गई गोली सिपाही शिवा हुड्डा के बाएं बाजू को छूते हुए निकल गई। जवाबी फायरिंग में एक गोली आरोपी परवेज के दाहिने पैर में लगी। घायल होने के बाद वह मौके पर ही गिर पड़ा, जिसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से अवैध तमंचा और कारतूस भी बरामद किए हैं।

देर रात को झमाझम बारिश से मौसम हुआ खुशगवार

देर रात को हुई झमाझम बारिश से मौसम खुशगवार हो गया। शुक्रवार सुबह से आसमान में काली घटा छाई हुई है और रुक-रुककर हल्की बूंदाबांदी हो रही है। बूंदाबांदी से उमस बढ़ गई और लोग पसीना-पसीना होते रहे। जगह-जगह जलभराव होने से मिजाज देर रात को बदल गया अचानक काली घटा आई गर्मी में बारिश का खूब लुत्फ लिया। बच्चे और बड़े से मौसम में बदलाव आया है, लोगों को झुलसा देने पर जलभराव हुआ और लोगों को आवाजाही में खासी गई। देर रात को विद्युतकर्मियों ने फाल्ट दूर करने के हुई जिसके बाद लोगों को राहत मिली। मौसम वैज्ञानिक पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 18 से 22 जून तक मानसून पहुंचने प्रताप शाही ने बताया कि 14 जून तक आंधी-तूफान और

लोगों को आवाजाही में परेशानी हुई। मौसम का और झमाझम बारिश शुरू हो गई। लोगों ने भीषण बारिश में नहाए और खूब मस्ती की। 10 मई के बाद वाली गर्मी से कुछ राहत मिली है। बारिश से सड़कों परेशानी हुई। रात को बारिश होने पर बिजली ठप हो लिए काम किया शहर में तड़के विद्युत व्यवस्था बहाल बताते हैं कि मानसून केरलम तक पहुंच चुका है। का अनुमान जता रहे हैं। मौसम वैज्ञानिक डॉ. उदय बारिश का अनुमान है।

संक्षिप्त समाचार

बारिश के बाद ढहा कच्चा मकान, मलबे में दबकर महिला की गई जान

मुरादाबाद में शुक्रवार सुबह एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। कुंदरकी थाना क्षेत्र के रूपपुर गांव में भारी बारिश के बाद एक कच्चे मकान की छत ढह गई। इस हादसे में मलबे के नीचे दबने से एक महिला की दर्दनाक मौत हो गई। घटना के वक्त

महिला नमाज अदा करने की तैयारी कर रही थी। रूपपुर गांव के रहने वाले फुरकान ने बताया कि शुक्रवार सुबह उनकी पत्नी नमाज पढ़ने की तैयारी कर रही थीं। इसी दौरान वह कपड़े लेने के लिए कमरे के अंदर गईं। तभी अचानक कमजोर हो चुकी कच्ची छत भरभराकर उनके ऊपर गिर पड़ी। हादसे के तुरंत बाद घर में चीख-पुकार मच गई।ग्रामीणों ने की मदद की कोशिश- छत गिरने की तेज आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण तुरंत मौके पर दौड़ पड़े। लोगों ने बिना देरी किए राहत कार्य शुरू किया और भारी मशक्कत के बाद मलबे को हटाकर महिला को बाहर निकाला। हालांकि, मलबे में दबने और गंभीर चोटें आने के कारण महिला ने मौके पर ही दम तोड़ दिया था। ग्रामीणों का कहना है कि बीती रात क्षेत्र में भारी बारिश हुई थी, जिसके चलते मिट्टी की छत कमजोर होकर ढह गई। प्रशासन की कार्रवाई- घटना की सूचना मिलते ही कुंदरकी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी। घटना की जानकारी स्थानीय प्रशासन को भी दे दी गई है। अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और पीड़ित परिवार को नियमानुसार जो भी सरकारी सहायता और मुआवजा होगा, वह जल्द से जल्द उपलब्ध कराया जाएगा।

बैंड-बाजा और बुलडोजर वाली बारात, दूल्हे की अनोखी शादी का वीडियो वायरल, हाईटेंशन लाइन के बीच बाल-बाल बची जान

उत्तर प्रदेश में मुरादाबाद जिले के कांठ थाना क्षेत्र में एक दूल्हे की अनोखी बारात इन दिनों चर्चा का विषय बनी हुई है। उमरी कलां गांव में दूल्हा पारंपरिक घोड़ी, बग्गी या लग्जरी कार के बजाय पीले रंग के बुलडोजर पर सवार होकर बारात लेकर पहुंचा। इस अनूठी बारात का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, अपनी शादी को यादगार बनाने की इच्छा से दूल्हे ने पारंपरिक सवारियों को छोड़ बुलडोजर को ही अपनी मुख्य सवारी के रूप में चुना। बारात में आगे बैंड-बाजा बज रहा था, पीछे बग्गियां चल रही थीं और बीच में बुलडोजर पर सवार दूल्हा आकर्षण का केंद्र बना हुआ था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दूल्हा अपने दोस्तों, परिजनों और कुछ बच्चों के साथ बुलडोजर के अगले हिस्से, यानी बकेट पर बैठकर बारात स्थल की ओर रवाना हुआ। हाईटेंशन बिजली के तारों के नीचे स्टंट से मचा हड़कंप- इस दौरान बाराती फिल्मी गीतों की धुन पर नाचते-गाते आगे बढ़ रहे थे और राहगीर भी इस अनोखे नजारे को देखने के लिए रुकते नजर आए। हालांकि, उत्सव और उत्साह के बीच एक चिंताजनक स्थिति भी देखने को मिली। बताया गया कि यात्रा के दौरान बुलडोजर के बकेट को कई बार हवा में ऊपर उठाया गया, जबकि उस मार्ग से हाईटेंशन बिजली की लाइनें गुजर रही थीं। बकेट पर दूल्हे के साथ कुछ बच्चे भी सवार थे। लोगों ने रचनात्मकता और सुरक्षा पर उठाए सवाल- स्थानीय लोगों के अनुसार, एक समय ऐसा भी आया जब बुलडोजर का उठा हुआ बकेट बिजली के तारों के बेहद करीब पहुंच गया। गनीमत रही कि कोई संपर्क नहीं हुआ और एक संभावित बड़ा हादसा टल गया। इस घटना ने शादी समारोहों में सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। जब यह अनोखी बारात विवाह स्थल पहुंची तो वहां मौजूद मेहमान भी बुलडोजर पर सवार दूल्हे को देखकर हैरान रह गए। बग्गी छोड़ बकेट पर बैठा दूल्हा- बताया जाता है कि बुलडोजर से उतरने के बाद दूल्हे को परिजनों ने गोद में उठाकर मंडप तक पहुंचाया। क्षेत्र में यह बुलडोजर वाली बारात चर्चा का प्रमुख विषय बनी हुई है। सार्वजनिक सुरक्षा के प्रति लापरवाही करार दिया है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

बरेली परिक्षेत्र पुलिस का अपराधियों पर शिकंजा, 8 माह में 98 मुठभेड़... 175 बदमाश गिरफ्तार, 2 कुख्यात ढेर

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा/ डीआईजी अजय कुमार साहनी के निर्देशन में चला अभियान, गैंगस्टरों की ?4.98 करोड़ की संपत्ति जब्त बरेली। मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश की जीरो टॉलरेंस नीति और पुलिस महानिदेशक के निर्देशों के क्रम में पुलिस उपमहानिरीक्षक बरेली परिक्षेत्र अजय कुमार साहनी के निर्देशन में बरेली, बदायूं, पीलीभीत और शाहजहांपुर पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ बड़ा अभियान चलाया। 1 अक्टूबर 2025 से 31 मई 2026 तक चले अभियान में गंभीर अपराधों में शामिल वांछित, इनामी और दुर्दांत अपराधियों पर सख्त कार्रवाई की गई। इस दौरान 98 पुलिस मुठभेड़/कार्रवाई में 175 अपराधी गिरफ्तार किए गए, 129 अपराधी घायल हुए और 2 कुख्यात अपराधियों की मौत हुई। कार्रवाई में 39 पुलिसकर्मी भी घायल हुए।

अभियान के दौरान 21 इनामी अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। गैंगस्टर एक्ट के तहत 23 मुकदमे दर्ज कर 83 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया और अपराध से अर्जित ?4 करोड़ 98 लाख 32 हजार 514 रुपये की संपत्ति जब्त की गई।

बरेली की बड़ी कार्रवाई = थाना भोजीपुरा क्षेत्र में पुलिस मुठभेड़ में एक लाख रुपये के इनामी अपराधी इफ्तेकार उर्फ धूम उर्फ लड्डे उर्फ सोल्जर उर्फ लोधा उर्फ शैतान उर्फ शाकिर उर्फ रोहित की मौत हुई। उसके खिलाफ हत्या, डकैती समेत 19 मुकदमे दर्ज थे। थाना इज्जतनगर क्षेत्र के रहपुरा चौधरी में हुए दोहरे हत्याकांड के आरोपी अफसर खां उर्फ बोरा पुत्र सरवर खां के खिलाफ पुलिस कार्रवाई में मौत हुई। आरोपी पर हत्या सहित गंभीर अपराध दर्ज थे। बदायूं की कार्रवाई= थाना मूसाझाग क्षेत्र के एचपीसीएल प्लांट हत्याकांड में आरोपी अजय प्रताप सिंह पुत्र राजेश कुमार सिंह को पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार किया गया। आरोपी के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत कार्रवाई की गई। इसी मामले में वांछित 50 हजार रुपये के इनामी आरोपी अभय प्रताप सिंह उर्फ कछु पुत्र राकेश सिंह और शिवम प्रताप सिंह पुत्र राकेश सिंह को एसओजी/स्वाट टीम ने गिरफ्तार किया।

सीएम के दौरे से पहले हटाए गए मनिकंडन, बीडीए की वीसी बनीं सौम्या पांडेय

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) की उपाध्यक्ष अब आईएएस सौम्या पांडेय होंगी। शासन ने डॉ. ए. मनिकंडन को बीडीए वीसी पद से हटाकर प्रतीक्षारत कर दिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रस्तावित बरेली दौरे से पहले ये बड़ा फेरबदल सामने आया है। सौम्या पांडेय के पास संभागीय खाद्य नियंत्रक (आरएफसी) का अतरिक्त प्रभार भी रहेगा।

आमतौर पर आरएफसी की जिम्मेदारी प्राधिकरणों के वीसी ही संभाल रहे हैं। बीडीए के उपाध्यक्ष रहे डॉ. ए. मनिकंडन ने शहर के विकास और विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विकास को गति दी। शहर को सुंदर, सुसज्जित और पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए रामायण वाटिका, सेंट्रल पार्क और रुद्र वनम जैसे शानदार प्रोजेक्ट धरातल पर उतारे। इन योजनाओं ने शहर की रंगत बदल दी और उसकी खूबसूरती में चार चांद लगा दिए। ग्रेटर बरेली आवास योजना -ग्रेटर बरेली आवास योजना बीडीए की महत्वाकांक्षी योजनाओं में से एक है। करीब 224 हेक्टेयर में ग्रेटर बरेली विकसित हो रही है। बीडीए उपाध्यक्ष रहते हुए डॉ. ए. मनिकंडन ने इसे गति दी। भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए करीब 200 करोड़ का मुआवजा भी वितरित किया। रामगंगा नगर परियोजना आगे बढ़ाई। रहपुरा में औद्योगिक टाउनशिप प्रस्तावित है। सौम्या पांडेय के नाम उपलब्धियों के रिकॉर्ड मूलरूप से प्रयागराज की रहने वाली सौम्या पांडेय 2017 बैच की आईएएस अधिकारी हैं। अभी कानपुर में अतिरिक्त श्रम आयुक्त एवं ईएसआईएस के निदेशक के पद पर तैनात थीं। महज 23 साल की उम्र में उन्होंने यूपीएससी की परीक्षा में ऑल इंडिया चौथी रैंक हासिल की थी। लबासना में ट्रेनिंग के दौरान बेस्ट ऑफिसर और बेस्ट प्रजेंटेशन, सर्वाधिक केस स्टडी के अवार्ड अपने नाम किए। अक्सर अपनी कार्यशैली और जमीन से जुड़ी पृष्ठभूमि को लेकर चर्चा में रहने वाली सौम्या पांडेय को बेस्ट डीएम अवार्ड भी मिल चुका है। वर्ष 2020 में कोविड काल के दौरान उन्हें सम्मान भी मिला था।

नवाबगंज में शाहजी मोटर वर्कशॉप में लगी भीषण आग, फायर यूनिट ने समय पर पहुंचकर बचाया बड़ा नुकसान

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। थाना नवाबगंज के सामने रामलीला ग्राउंड स्थित शाहजी मोटर वर्कशॉप में देर रात अचानक भीषण आग लग गई। आग की सूचना मिलते ही फायर स्टेशन नवाबगंज की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके पर पहुंचकर आग बुझाने का मोर्चा संभाल लिया। फायर स्टेशन नवाबगंज को रात 11=30 बजे अशफाक द्वारा सूचना दी गई कि शाहजी मोटर वर्कशॉप में आग लगी हुई है। सूचना मिलते ही फायर यूनिट 23=31 बजे रवाना हुई और महज कुछ ही मिनटों में 23=34 बजे घटनास्थल पर पहुंच गई। मौके पर पहुंची फायर यूनिट ने देखा कि वर्कशॉप में आग विकराल रूप धारण कर चुकी थी। फायर सर्विस यूनिट ने पंपिंग कर तत्काल आग बुझाने का कार्य शुरू किया। पानी खत्म होने पर टीम ने लगातार पानी भरकर आग पर काबू पाने का अभियान जारी रखा। कड़ी मशक्कत के बाद फायर कर्मियों ने आग को पूरी तरह बुझाकर शांत किया। अग्निशमन कार्य के दौरान एफएसडी पुष्पेंद्र सिंह की मौजूदगी में पूरी कार्रवाई की गई। समय पर पहुंची फायर ब्रिगेड की तत्परता से आग को फैलने से रोक लिया गया और बड़ा हादसा होने से टल गया।

मसालों में मिलावट पर खाद्य विभाग ने की छापेमारी मचा हड़कंप , 19 नमूने लिए, 20 किलो से ज्यादा मिर्च सीज

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग ने मसालों की गुणवत्ता को लेकर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत जिले में बड़ी कार्रवाई की है। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन उत्तर प्रदेश के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की चार चल टीमों ने कई प्रतिष्ठानों पर छापेमारी की। अभियान के दौरान अलग-अलग स्थानों से मसालों के कुल 19 नमूने जांच के लिए लिए गए। कार्रवाई के दौरान फरीदपुर, भोजीपुरा, सीबीगंज, गंगापुर, गौसगंज, परसाखेड़ा समेत कई क्षेत्रों में मसाला निर्माण और बिक्री करने वाली इकाइयों की जांच की गई। विभागीय टीम ने हल्दी पाउडर, धनिया पाउडर, मिर्च पाउडर, पनीर मसाला, चाट मसाला, मिक्स स्पाइस समेत कई मसालों के नमूने संग्रहित किए। वहीं सीबीगंज स्थित एक प्रतिष्ठान से 20 किलो 540 ग्राम साबुत मिर्च, जिसकी कीमत करीब 20 हजार 540 रुपये बताई गई, को जब्त कर सीज कर दिया गया। खाद्य विभाग ने सभी नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेज दिया है। अधिकारियों के मुताबिक जांच रिपोर्ट आने के बाद मानकों के उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठानों के खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस की कहानी अदालत में फेल:

एडवोकेट अनिल कुमार की मजबूत दलीलों से ,अफीम तस्करी के आरोपी को मिली जमानत

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा/ बरेली। न्याय के मंदिर में जब सही दलीलें और कानून की सही समझ पेश की जाए, तो बेकसूर को न्याय मिलने में देर नहीं लगती। कुछ ऐसा ही जलवा एक बार फिर वरिष्ठ अधिवक्ता अनिल कुमार रिठौरा ने बिखेरा है, जिन्होंने बीते तीन महीनों के भीतर लगातार तीसरी बड़ी कानूनी परीक्षा में सफलता हासिल कर बेकसूरों को सलाखों के पीछे से बाहर निकाला है। इस सफलता के बाद जेल की राह देख रहे युवाओं के परिजनों की आंखों से आंसू छलक आए और उन्होंने झोली पसार कर अधिवक्ता को दुआएं दीं।मामला थाना बारादरी से जुड़ा है। गत 21 मई 2026 को पुलिस ने एक कार्रवाई के दौरान ग्राम घंघोरा पिपरिया (थाना भोजीपुरा) निवासी मुन्ने लाल के पुत्र पवन कुमार, अभियुक्त पिंकू और अभियुक्त अभिषेक को अवैध मादक पदार्थों के साथ गिरफ्तार करने का दावा किया था। पुलिस रिपोर्ट के मुताबिक, पिंकू के कब्जे से 286 ग्राम, पवन के कब्जे से 269 ग्राम और अभिषेक के कब्जे से 500 ग्राम अफीम की अवैध बरामदगी दिखाते हुए एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया गया था।अभियुक्त पवन कुमार की ओर से पैरवी करते हुए विद्वान अधिवक्ता अनिल कुमार रिठौरा ने अपर सत्र न्यायाधीश (कोर्ट संख्या-3) की अदालत में जमानत प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया। एडवोकेट रिठौरा ने पुलिसिया कार्रवाई की धज्जियां उड़ाते हुए दलील दी कि पुलिस द्वारा दिखाया गया पूरा मामला मनगढ़ंत और फर्जी है। उन्होंने अदालत को बताया कि:पुलिस ने इस कथित बरामदगी में एनडीपीएस एक्ट की अनिवार्य वैधानिक धाराओं और प्रक्रियाओं की पूरी तरह अनदेखी की है। आरोपी पवन कुमार का कोई पुराना आपराधिक इतिहास नहीं है और वह बरेली जिले का ही स्थायी निवासी है, जिससे उसके फरार होने की कोई आशंका नहीं है। सुनवाई के दौरान शासकीय अधिवक्ता (सरकारी वकील) ने जमानत का पुरजोर विरोध किया और पुलिस की थ्योरी को सही ठहराने की कोशिश की। किंतु, एडवोकेट अनिल कुमार रिठौरा की मजबूत कानूनी दलीलों और अकाट्य साक्ष्यों के आगे अभियोजन पक्ष टिक नहीं सका।दोनों पक्षों को सुनने के बाद अपर सत्र न्यायाधीश (कोर्ट-3) ने अपने विवेकपूर्ण फैसले में आरोपी पवन कुमार की जमानत याचिका को स्वीकार कर लिया। न्यायालय ने आदेश दिया कि आरोपी को 75 हजार रुपये के नवीन बंधपत्र (बॉन्ड) पर रिहा किया जाए। साथ ही कोर्ट ने यह शर्त भी रखी कि आरोपी जमानत का दुरुपयोग नहीं करेगा और न्यायालय में नियत तिथियों पर नियमित रूप से उपस्थित रहेगा। इस फैसले के बाद आरोपी के परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई है।

खुले में कूड़ा फेंकने पर अब सख्त ऐक्शन,पकड़े गए तो बिजली-पानी कटेगा कनेक्शन

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। पूरे देश में स्वच्छता को अभियान बनाया गया है और लोगों को लगातार जागरूक किया जा रहा है।

केंद्र की मोदी और यूपी की योगी सरकारें कूड़ा निस्तारण और साफ-सफाई का अभियान भी चला रही हैं। शहर-शहर को सफाई की रैंकिंग से जोड़ा गया है। इसके बाद भी मुहिम रंग नहीं लाने पर अब सख्ती होने जा रही है। बरेली शहर में स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने और कचरे के वैज्ञानिक निस्तारण को सुनिश्चित करने के लिए नगर निगम प्रशासन ने सख्त कदम उठाने की तैयारी कर ली है। ठोस कचरा प्रबंधन नियमों के तहत अब खुले में कूड़ा फेंकने, सार्वजनिक स्थानों पर मलबा डालने या गीले-सूखे कचरे का अलग-अलग निस्तारण नहीं करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। नियमों का उल्लंघन करने पर जुर्माने के साथ अब बिजली और पानी का कनेक्शन तक काटा जाएगा।

वार्डबॉय को आत्महत्या के लिए उकसाने वाला सुधीर उर्फ चूचू , को कोतवाली पुलिस ने किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। थाना कोतवाली पुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने के गंभीर मामले में फरार चल रहे आरोपी सुधीर कुमार उर्फ चूचू को कानपुर से गिरफ्तार कर लिया है। जिला अस्पताल में वार्डबॉय प्रदीप कुमार की आत्महत्या के बाद सुसाइड नोट में सुधीर उर्फ चूचू पर मानसिक प्रताड़ना और 30 लाख की अवैध वसूली का आरोप लगा था। सुसाइड नोट बना सबूत= 10 साल पुराने पैसे को लेकर बना रहा था दबाव दिनांक 15 मई 2026 को जिला चिकित्सालय बरेली में ड्यूटी के दौरान वार्डबॉय प्रदीप कुमार ने आत्महत्या कर ली थी। मौके से मिले सुसाइड नोट में सुधीर कुमार उर्फ चूचू पुत्र राजेंद्र कुमार निवासी सुर्खा वानखाना थाना प्रेमनगर पर गंभीर आरोप थे। नोट में लिखा था कि सुधीर 10 साल पहले दिए गए रुपये को लेकर लगातार धमकाता था और मानसिक रूप से प्रताड़ित कर करीब 30 लाख रुपये की अवैध वसूली कर चुका था। मृतक की बेटी मानसी शर्मा की तहरीर पर मु0अ0सं0 236/2026 धारा 108 BNS में केस दर्ज किया गया था। घटना के बाद से सुधीर उर्फ चूचू फरार चल रहा था और गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार ठिकाने बदल रहा था। कोतवाली पुलिस टीम ने तकनीकी और गोपनीय सूचना पर कानपुर में लोकेशन ट्रेस की। 12 जून 2026 को कानपुर रेलवे स्टेशन के पास होटल My Choice में दबिश देकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। कोर्ट से NBW भी जारी था।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

15 जून को स्पोर्ट्स स्टेडियम में होगा योग सप्ताह का भव्य आगाज, डीएम ने की जनभागीदारी की अपील

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा/ बरेली। 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर जनपद में योग सप्ताह का शुभारंभ 15 जून को प्रातः 6 बजे स्पोर्ट्स स्टेडियम बरेली में किया जाएगा। जिलाधिकारी ने जनपदवासियों से अपील की है कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इस स्वास्थ्यवर्धक कार्यक्रम में अपनी सहभागिता करें। जिलाधिकारी ने कहा कि योग केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए ही नहीं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी बेहद लाभकारी है। आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली में बढ़ते मधुमेह, उच्च रक्तचाप और अन्य शारीरिक बीमारियों के साथ मानसिक तनाव जैसी समस्याओं से बचाव में योग महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा कि नियमित योग को जीवनशैली का हिस्सा बनाकर स्वस्थ और निरोगी जीवन की ओर बढ़ा जा सकता है। सभी नागरिक कार्यक्रम में पहुंचकर योग का लाभ उठाएं और स्वस्थ समाज के निर्माण में सहयोग करें। करो योग, रहो निरोग के संदेश के साथ जिला प्रशासन ने सभी से योग सप्ताह में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की है।

बाल श्रम रोकने को बरेली में जागरूकता अभियान, बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा पर दिया जोर

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा/ बरेली। अंतरराष्ट्रीय बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर कार्यालय उप श्रमायुक्त बाल श्रम उन्मूलन एवं बाल अधिकार संरक्षण को लेकर संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता सहायक श्रमायुक्त बाल गोविंद द्वारा की गई। संगोष्ठी में श्रम विभाग, पुलिस, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, स्वयंसेवी संस्थाओं एवं उद्योग संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सहायक श्रमायुक्त ने कहा कि बाल श्रम बच्चों के भविष्य के लिए गंभीर समस्या है। बाल एवं किशोर श्रम अधिनियम के तहत 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों से काम कराना प्रतिबंधित है और उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई का प्रावधान है। वक्ताओं ने बाल श्रम रोकने के लिए अभिभावकों को जागरूक करने और बच्चों को शिक्षा से जोड़ने पर जोर दिया। उपस्थित सभी लोगों ने बाल श्रम मुक्त समाज बनाने का संकल्प लिया।

चेक बुक मिले बिना खाते से निकले रुपये, महिला ने बैंक पर उठाए सवाल

क्यूँ न लिखूँ सच /शेर सिंह/ भुता । थाना क्षेत्र के गांव रावल कला निवासी सुनीता देवी पत्नी द्वारिका प्रसाद का कस्बा स्थित बैंक ऑफ़ बड़ौदा में खाता है। पीड़िता ने खाते पर बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा भूता में चेक बुक के लिए आवेदन किया था। पीड़िता का आरोप है कि उसे अभी तक चेक बुक प्राप्त नहीं हुई, इसके बावजूद उसके खाते से रुपये निकाल लिए गए। सुनीता देवी के अनुसार, उनके खाते से 29 मई 2026 को ?1000 तथा अगले दिन 30 मई 2026 को ?10000 की निकासी की गई। जब उन्होंने बैंक पहुंचकर मामले की जानकारी की तो बैंक कर्मचारियों ने बताया कि रकम चेक के माध्यम से निकाली गई है। पीड़िता का कहना है कि जब उन्हें चेक बुक मिली ही नहीं तो चेक से रुपये कैसे निकाले गए। मामले को लेकर उन्होंने थाना भुता में लिखित शिकायत देकर निष्पक्ष जांच कर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

बीए चित्रकला परीक्षा पर बड़ा अपडेट , अब 6 जुलाई को होगी आयोजित

क्यूँ न लिखूँ सच /पं सत्यमशर्मा / बरेली। महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखंड विश्वविद्यालय ने बीए द्वितीय सेमेस्टर चित्रकला की परीक्षा स्थगित कर दी है। परीक्षा नियंत्रक की ओर से जारी पत्र में बताया गया कि 12 जून को होने वाली चित्रकला मुख्य व बैक पेपर की परीक्षा, बीए चतुर्थ सेमेस्टर गौण विषय-हिन्दी भाषा के प्रश्नपत्र के साथ एक ही समय पर पड़ रही थी। इसके चलते बीए द्वितीय सेमेस्टर चित्रकला की परीक्षा अब अपनी पूर्व निर्धारित पाली दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक 6 जुलाई शुक्रवार को आयोजित की जाएगी।

बरसात से पहले प्रशासन अलर्ट, बाढ़ और मौसमी बीमारियों से निपटने की तैयारियों की समीक्षा

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ पोहरी। आगामी वर्षाकाल को देखते हुए प्रशासन ने बाढ़ आपदा प्रबंधन एवं मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए तैयारियां तेज कर दी हैं। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा के निर्देशन में एसडीएम पोहरी जे.पी. गुप्ता ने विकासखंड स्तरीय अधिकारियों की समीक्षा बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

बैठक में एसडीएम ने निर्देश दिए कि वर्षाकाल के दौरान किसी भी जर्जर एवं असुरक्षित भवन में शैक्षणिक गतिविधियां संचालित नहीं की जाएं। साथ ही नदी-नालों एवं जलभराव वाले क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतते हुए किसी भी आपात स्थिति की सूचना तत्काल प्रशासन को उपलब्ध कराई जाए।

उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को वर्षा ऋतु में फैलने वाली मौसमी बीमारियों की रोकथाम एवं नियंत्रण के लिए पर्याप्त दवाओं, संसाधनों और आवश्यक व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वहीं पशु चिकित्सा विभाग को पशुओं में संभावित रोगों की रोकथाम के लिए विशेष निगरानी रखने तथा त्वरित कार्रवाई हेतु टीमों का गठन करने को कहा गया। बैठक में वर्षा जल संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शासकीय भवनों के आसपास सोखता गड्ढों के निर्माण के निर्देश भी दिए गए। एसडीएम ने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए आपदा प्रबंधन संबंधी तैयारियों को सर्वोच्च प्राथमिकता दें, ताकि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

बैठक में जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, बीएमओ, बीईओ, बीआरसीसी सहित राजस्व एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

366 बोरी डीएपी मामले में कलेक्टर सख्त, विशेष जांच दल गठित

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। कोलारस में ट्रक से पकड़ी गई 366 बोरियों वाले उर्वरक प्रकरण की जांच अब विशेष दल करेगा। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा ने मामले को गंभीरता से लेते हुए बहु-विभागीय जांच दल गठित कर सात दिवस के भीतर विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।

गौरतलब है कि कोलारस स्थित मां कैलादेवी वेयर हाउस परिसर के सामने ट्रक क्रमांक आरजे-17-जीबी-8058 से रघुवीरा सरदार ऑर्गेनिक सब्स्टीट्यूट ऑफ डीएपी उर्वरक की 366 बोरियां जब्त की गई थीं। मामले में उर्वरक (नियंत्रण) आदेश 1985 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत एफआईआर दर्ज की जा चुकी है।

जिला प्रशासन द्वारा गठित जांच दल की अध्यक्षता एसडीएम कोलारस अनूप श्रीवास्तव करेंगे। दल में उप संचालक कृषि पी.एस. करोरिया, कृषि विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एम.के. भार्गव, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी एस.एस. जाटव, थाना प्रभारी कोलारस गब्बर सिंह, एसओ तेंदुआ नीतू सिंह धाकड़, उप निरीक्षक बवलेश कुमार एवं आरक्षक राहुल परिहार को शामिल किया गया है।

जांच दल जब्त उर्वरक की गुणवत्ता, परिवहन से जुड़े दस्तावेजों, उर्वरक के वास्तविक उपयोग एवं परिवहन के उद्देश्य की जांच करेगा। साथ ही मां कैलादेवी वेयर हाउस से संभावित संबंधों की भी पड़ताल की जाएगी।

कलेक्टर अर्पित वर्मा ने जांच दल को निर्देश दिए हैं कि मामले के सभी पहलुओं की निष्पक्ष और तथ्यात्मक जांच कर सात दिनों के भीतर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए, ताकि आवश्यकतानुसार आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

पांच साल से अफेयर, चार माह पहले लव मैरिज; आकांक्षा के भाई के दोस्त ने शिवकुमार को मारी थी गोली, नया खुलासा

सहारनपुर में हुए शिवकुमार हत्याकांड में अब तक तीन आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि आकांक्षा के भाई के दोस्त ने शिवकुमार को गोली मारी थी। पुलिस ने गोली मारने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।उत्तर प्रदेश के सहारनपुर के रामपुर मनिहारान में हुए शिवकुमार हत्याकांड में पुलिस ने एक और आरोपी रवि को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की जांच में सामने आया है कि भाई मंजीत के दोस्त रवि ने कार के शीशे से सटाकर गोली मारी थी। अब तक पुलिस तीन आरोपियों की गिरफ्तारी कर चुकी है, जबकि तीन आरोपी अभी पुलिस पकड़ से दूर हैं। नौ जून को शामली के खेड़ी बैरागी निवासी शिवकुमार अपनी पत्नी आकांक्षा को रामपुर मनिहारान स्थित गोचर महाविद्यालय में पुलिस भर्ती परीक्षा दिलाना आया था। परीक्षा समाप्त होने के बाद शिवकुमार की गोली मारकर हत्या की गई थी। पत्नी ने अपने भाई, मां, मामा, बहन सहित छह से सात लोगों पर हत्या करने का आरोप लगाया था।इस मामले में मृतक शिवकुमार के पिता सलेखचंद ने तहरीर देकर छह लोगों को नामजद कराया था।10 जून को पुलिस ने आकांक्षा की मां विमला और मामा कर्मवीर को पकड़ लिया था। बृहस्पतिवार को पुलिस ने भाई मंजीत के दोस्त रवि कुमार निवासी बनत जिला शामली को शिवदास पुलिया के पास से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी रवि की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल देशी तमंचा, कारतूस आदि असलाह बरामद किया है। ऐसे दिया वारदात को अंजाम- आरोपी मामा कर्मवीर ने बताया कि भांजी आकांक्षा और शिवकुमार के बीच पिछले चार-पांच वर्षों से प्रेम संबंध थे। दोनों एक ही गांव और बिरादरी के होने के कारण परिवार ने कई बार उन्हें समझाने का प्रयास किया, लेकिन फरवरी 2026 में दोनों ने प्रेम विवाह कर लिया था।इसके बाद शिवकुमार आकांक्षा को लेकर मुजफ्फरनगर में रहने लगा। नौ जून को आकांक्षा सहारनपुर के रामपुर मनिहारान क्षेत्र में यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा देने आई थी। इसी दौरान आकांक्षा को घर चलने के लिए कहा गया, लेकिन उसने मना कर दिया। इसके बाद कर्मवीर, मंजीत उर्फ आकाश, विमला और रवि ने आपस में सलाह कर आकांक्षा और शिवकुमार को जान से मारने की योजना बनाई। जब आकांक्षा और शिवकुमार कार से लौटने लगे तो आरोपी बाइक से उनके पीछे चल पड़े।रास्ते में मौका देखकर रवि ने कार की खिड़की के पास पहुंचकर शिवकुमार को देशी तमंचे से गोली मार दी। इसके बाद सभी भाग गए थे। गोली लगने से शिवकुमार की मौत हो गई थी। यह था पूरा मामला- बता दें, कि शामली जिले के गांव खेड़ी बैरागी निवासी शिवकुमार (27) अपनी पत्नी आकांक्षा को पुलिस भर्ती की परीक्षा दिलाने के लिए मंगलवार को रामपुर मनिहारान स्थित गोचर कृषि इंटर कॉलेज परीक्षा केंद्र पर आया था। परीक्षा खत्म होने के बाद शिवकुमार अपने ममेरे भाई और आकांक्षा के साथ कार से जा रहा था, तभी रास्ते में आकांक्षा के भाई मंजीत व अन्य आरोपियों ने शिवकुमार की गोली मारकर हत्या कर दी थी। शिवकुमार और आकांक्षा एक ही गांव के रहने वाले थे। दोनों ने चार माह पहले प्रेम विवाह किया था, जिससे आकांक्षा के परिजन नाराज थे। पुलिस ने आकांक्षा के भाई आरोपी मंजीत, परमजीत, मां विमला, मौसम, आदित्य, मामा कर्मवीर व अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी। गांव के लोग ताना मारते थे जिससे वे तंग आ चुके थे% पोस्टमार्टम में आया है कि उसकी मौत एक गोली सिर में लगने से हुई थी जो सिर में ही धंसी रह गई थी। एसपी सिटी व्योम बिंदल ने बताया कि लड़की की मां विमला और मामा कर्मवीर को गिरफ्तार कर लिया गया है। विमला ने बताया कि गांव के लोग ताना मारते थे जिससे वे तंग आ चुके थे।

पत्नी के मायके जाने से नाराज पति ने घर में लगाई आग, सिलिंडर फटने से दीवार ढही, बचाने में तीन पड़ोसी झुलसे

अंबेडकरनगर में पत्नी के मायके जाने से नाराज पति ने घर में आग लगा दी। गैस सिलिंडर फटने से दीवार ढह गई। उसे बचाने में तीन पड़ोसी भी झुलस गए। यूपी के अंबेडकरनगर में पत्नी के मायके जाने से नाराज पति ने अपने घर में आग लगा दी। आग आग ने विकराल रूप ले लिया। घटना के दौरान घर में झुलस गए। आग से घर में रखा गृहस्थी का सामान कोई शिकायत नहीं की गई है।घटना जलालपुर कोतवाली दिवाकर अपनी पत्नी चांदनी के साथ महाराष्ट्र के नासिक अप्रैल को दोनों नासिक से गांव लौटे थे। शराब पीकर दिवाकर शराब पीकर अक्सर मारपीट करता था। इससे हंसवर चली गई थी। इसके बाद भी दोनों के मध्य करीब 4.00 बजे दिवाकर ने अपने घर में आग लगा लिया। लपटें रसोई घर तक जा पहुंची।इसी बीच अधिक तेज धमाके से साथ फट गया। हादसे के बाद आग और गई। धमाके और चीख-पुकार सुनकर ग्रामीण मौके पर घर में घुसकर दिवाकर को बाहर निकाला। गृहस्थी का के प्रयास में उसके अलावा अन्य तीनों लोग भी झुलस सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, बसखारी भेजा गया। वहां पुलिस और दमकल विभाग की टीम ने करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। तब तक घर में रखा गृहस्थी का सामान जलकर नष्ट हो चुका था। कोतवाली प्रभारी अजय प्रताप सिंह यादव ने बताया कि मामले में अभी तक कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। शिकायत मिलने पर जांच करके आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। रात में नशे में यूपी 112 पर लगाया था फोन-पड़ोसी आशुतोष रमन ने बताया कि दिवाकर और उसकी पत्नी चांदनी के बीच पिछले कुछ समय से विवाद चल रहा है। शुक्रवार रात करीब 1.00 बजे दिवाकर ने शराब के नशे में यूपी 112 पर फोन भी लगाया था। इस पर दिवाकर को थाने आने की सलाह दी गई थी। हालांकि थाने न जाकर उसने अपने ही घर को तबाह कर लिया।

संक्षिप्त समाचार

बेटी पति की थी या फिर पिता की..., इस जांच से होगा साफ; बच्ची की मां ने अपने बाप को लेकर किया था ये दावा

बेटी पति की थी या पिता की इसका डीएनए जांच से खुलासा होगा। कोर्ट के आदेश पर तीन माह पूर्व दफनाए बच्ची के शव का डीएनए टेस्ट होगा। आगरा पुलिस मथुरा पहुंच गई है। बच्ची का शव निकालकर जांच के लिए भेजा गया है।मथुरा के सौंख में असमय मौत का शिकार होने वाली बच्ची अपने पिता की संतान थी या फिर अपने नाना की, यह पता डीएनए जांच से चलेगा। इस बच्ची के शव को आगरा से आई पुलिस ने निकालकर जांच के लिए भिजवा दिया है। एक साल की इस मासूम की गर्म दूध से जलने के कारण हो गई थी।बच्ची की मां ने आरोप लगाया था कि उसकी बच्ची उसके पति की नहीं बल्कि पिता की औलाद है। पिता उसके साथ जबरदस्ती करता था। आगरा के एक थाना क्षेत्र निवासी युवती की शादी तीन साल पहले मथुरा के एक थाना क्षेत्र निवासी युवक से हुई थी। शादी के करीब एक साल बाद विवाहिता ने अपने पिता के खिलाफ आगरा के थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। महिला ने आरोप लगाया था कि उसका पिता उसे नशीला पदार्थ देकर उसके साथ संबंध बनाता था। इसके चलते वह गर्भवती हुई और एक बच्ची को जन्म दिया। आगरा पुलिस इस मामले में लगातार जांच कर रही थी। यह मामला अब न्यायालय में चल रहा है।गर्म दूध से झुलस गई थी बच्ची-बच्ची भी एक साल की हो गई थी। इसी साल मार्च महीने में अपने पिता के यहां यह बच्ची गर्म दूध से झुलस गई। हालत गंभीर होने पर बच्ची को जयपुर के लिए रेफर कर दिया गया, जहां उसकी मौत हो गई। परिजन ने बच्ची के शव को हिंदू मान्यताओं के अनुसार जमीन में दफना दिया और अंत्येष्टि कर दी। कोर्ट ने बच्ची के डीएनए टेस्ट के दिया आदेश- उधर, आगरा में चल रही सुनवाई के दौरान कोर्ट ने बच्ची के डीएनए टेस्ट के आदेश दिए। इसी मामले में आगरा पुलिस बृहस्पतिवार को मथुरा आई और बच्ची के शव को निकालकर जांच के लिए भेजा है। इस मामले में सीओ अनिल कुमार सिंह का कहना है कि आगरा पुलिस मथुरा आई थी। वहां कोर्ट में चल रहे एक मामले में आदेश के बाद बच्ची के शव को गड्ढे से निकालकर पोस्टमार्टम और डीएनए जांच के लिए भेजा गया है।

पीड़िता के शरीर पर बाहरी चोट न होना दुष्कर्म के आरोप को झुठलाने का आधार नहीं

हर मामले में पीड़िता के शरीर पर बाहरी चोट न होने के आधार पर दुष्कर्म के आरोप को झूठा नहीं ठहराया जा सकता। इस महत्वपूर्ण टिप्पणी के साथ इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दुष्कर्म के आरोपी की दोषसिद्धि को बरकरार रखते हुए सजा को जेल में बिताई गई अवधि में बदल दिया।हर मामले में पीड़िता के शरीर पर बाहरी चोट न होने के आधार पर दुष्कर्म के आरोप को झूठा नहीं ठहराया जा सकता। इस महत्वपूर्ण टिप्पणी के साथ इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दुष्कर्म के आरोपी की दोषसिद्धि को बरकरार रखते हुए सजा को जेल में बिताई गई अवधि में बदल दिया। यह आदेश न्यायमूर्ति तेज प्रताप तिवारी की एकलपीठ ने हबीब की अपील पर दिया।बरेली निवासी याची हबीब पर वर्ष 1985 में नौ वर्षीय बालिका से दुष्कर्म का आरोप लगा था। ट्रायल कोर्ट ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए आठ वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई थी, जिसके खिलाफ उसने हाईकोर्ट में अपील दाखिल की थी। याची अधिवक्ता ने दलील दी कि पीड़िता के शरीर पर कोई बाहरी चोट नहीं पाई गई थी। गवाहियों में कुछ विरोधाभास थे और जब्त किए गए कपड़ों व मिट्टी की फोरेंसिक जांच भी नहीं कराई गई थी। इसलिए आरोपी को संदेह का लाभ दिया जाना चाहिए। वहीं राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि मामूली विरोधाभासों या जांच की कुछ कमियों के आधार पर पूरे अभियोजन मामले को खारिज नहीं किया जा सकता।कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि दुष्कर्म के हर मामले में पीड़िता के शरीर पर चोट के निशान मिलना जरूरी नहीं है। कई बार उम्र, भय, दबाव या अन्य परिस्थितियों के कारण पीड़िता प्रतिरोध नहीं कर पाती, इसलिए चोटों का न होना सहमति या झूठे आरोप का प्रमाण नहीं माना जा सकता। अदालत ने पाया कि उपलब्ध साक्ष्य आरोपी की दोषसिद्धि को बरकरार रखने के लिए पर्याप्त हैं। आरोपी लगभग सात वर्ष की सजा पहले ही जेल में काट चुका है, जबकि उसे आठ वर्ष की सजा सुनाई गई थी। ऐसे में हाईकोर्ट ने दोषसिद्धि को बरकरार रखते हुए सजा को घटाकर पहले से भुगती गई अवधि तक सीमित कर दिया। इस प्रकार अपील आंशिक रूप से स्वीकार कर ली गई।

सरकार ने डीजल खरीदने पर लगाई लिमिट,पेट्रोल पंपों को दिए सख्त निर्देश, तय लिमिट से ज्यादा किसी को न दें

सरकार की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार यह व्यवस्था शुरुआती तौर पर 90 दिनों के लिए लागू की गई है। हालांकि जरूरत पड़ने पर सरकार इसे पहले वापस ले सकती है या इसकी अवधि बढ़ाने का फैसला भी कर सकती है।केंद्र सरकार के फैसले के बाद अलीगढ़ में कई ग्राहकों की पेट्रोल पंप से छुट्टी हो जाएगी। सरकार ने डीजल पर सख्ती करते हुए 200 लीटर की सीमा तय की है। अलीगढ़ एक कृषि प्रधान जिला है। ऐसे में किसानों को खेती के लिए सबसे ज्यादा डीजल की जरूरत पड़ती है। इसके अलावा बड़े वाहनों में डीजल का सर्वाधिक इस्तेमाल होता है।

नई अधिसूचना के तहत अब किसी भी ग्राहक या वाहन को एक दिन में 200 लीटर से अधिक हाई-स्पीड डीजल (एचएसडी) नहीं बेचा जाएगा। साथ ही व्यावसायिक और संस्थागत उपभोक्ताओं को सामान्य पेट्रोल पंपों से ईंधन खरीदने की अनुमति भी नहीं होगी। यह व्यवस्था फिलहाल अगले 90 दिनों तक लागू रहेगी।इस फैसले का असर अलीगढ़ समेत पूरे प्रदेश में ट्रांसपोर्ट कारोबार, बड़े जनरेटर संचालकों और थोक स्तर पर डीजल खरीदने वाले उपभोक्ताओं पर पड़ सकता है। हालांकि आम कार, बाइक और छोटे वाहन चालकों के लिए चिंता की बात नहीं है, क्योंकि उनके वाहनों की टैंक क्षमता 200 लीटर से काफी कम होती है। अलीगढ़ जिले में वर्तमान में लगभग 190 से अधिक

पेट्रोल पंप संचालित हैं।किन लोगों पर पड़ेगा सबसे ज्यादा असर?

अलीगढ़ में बड़ी संख्या में ट्रांसपोर्टर, औद्योगिक इकाइयां, कोल्ड स्टोरेज, ईंट भट्ठे और बड़े जनरेटर संचालित करने वाले संस्थान हैं। ऐसे उपभोक्ता अब रिटेल पेट्रोल पंपों से अपनी जरूरत के अनुसार बड़ी मात्रा में डीजल नहीं खरीद सकेंगे। सरकार ने साफ किया है कि कमर्शियल और संस्थागत ग्राहकों को अपनी जरूरत का ईंधन अपने अधिकृत कंज्यूमर पंप या निर्धारित व्यवस्था के माध्यम से ही लेना होगा।पेट्रोल पंपों को दिए गए सख्त निर्देश- नई व्यवस्था के तहत पेट्रोल पंप संचालकों को निर्देश दिए गए हैं कि वे किसी भी ग्राहक या वाहन को प्रतिदिन 200 लीटर से अधिक हाई-स्पीड डीजल न बेचें। इसके अलावा खरीदे गए डीजल की दोबारा बिक्री (रीसेल) पर भी पूरी तरह रोक रहेगी। आम लोगों पर नहीं होगा खास असर-ईंधन कारोबार से जुड़े लोगों का कहना है कि सामान्य वाहन मालिकों के लिए यह बदलाव लगभग नगण्य रहेगा। अधिकांश कारों का फ्यूल टैंक 40 से 70 लीटर के बीच होता है, जबकि एसयूवी और बड़े वाहनों में भी यह क्षमता 100 लीटर के आसपास रहती है। ऐसे में 200 लीटर की सीमा मुख्य रूप से बड़े उपभोक्ताओं को प्रभावित करेगी। क्या होता है हाई-स्पीड डीजल?- बाजार में वाहनों, ट्रकों, बसों और जनरेटर में इस्तेमाल होने वाला सामान्य डीजल ही तकनीकी भाषा में हाई-स्पीड डीजल (एचएसडी) कहलाता है। इसका उपयोग परिवहन, कृषि, निर्माण कार्य, औद्योगिक मशीनों और बिजली उत्पादन के लिए बड़े पैमाने पर किया जाता है। 90 दिनों तक लागू रहेगी व्यवस्था सरकार की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार यह व्यवस्था शुरुआती तौर पर 90 दिनों के लिए लागू की गई है। हालांकि जरूरत पड़ने पर सरकार इसे पहले वापस ले सकती है या इसकी अवधि बढ़ाने का फैसला भी कर सकती है। नए नियम एक नजर में- एक दिन में 200 लीटर से ज्यादा डीजल नहीं मिलेगा कमर्शियल ग्राहकों को रिटेल पंपों से ईंधन नहीं मिलेगा डीजल की रीसेल पर रोक नियम 90 दिनों तक लागू आम कार और बाइक चालकों पर असर नहीं

माइनर में गिरने से बाइक सवार की मौत, ननिहाल गए बच्चों से मिलने जाते समय रास्ते में हुआ हादसा

अंबेडकरनगर में माइनर में गिरने से बाइक सवार की मौत हो गई। ननिहाल गए बच्चों से मिलने जाते समय रास्ते में हादसा हो गया। घटना से घर में रोना बिलखना मच गया। ग्रामीण परेशान परिजन को ढांढस बंधाते रहे।यूपी में अंबेडकरनगर के रात संदिग्ध हालात में माइनर में गिरने से हो गई। खबर मिली तो घरवालों का रो-कि शिवपूजन की पत्नी मंजू देवी अपने बच्चों मिलने के लिए शिवपूजन बृहस्पतिवार रात किमी दूर ससुराल के लिए निकले थे। वह चौराहे से करीब 500 मीटर उत्तर दिशा में अनियंत्रित हो गई।हेलमेट न लगाए होने से लेकिन कीचड़ और फिसलन के कारण पर चोट लग गई। हादसे के बाद वह मौके लोगों को घटना की जानकारी देर से मिली। मौके पर पहुंचे।गंभीर रूप से घायल शिवपूजन था। लेकिन, रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। जानकारी अभी नहीं दे पा रहे हैं। वजह यह है सीओ टांडा शुभम कुमार ने बताया कि अब रिपोर्ट के आधार पर जांच करके कार्रवाई की

हंसवर में बरही चौराहे के निकट बृहस्पतिवार दाउदपुर निवासी शिवपूजन (32) की मौत रोकर बुरा हाल है। छोटे भाई रामपूजन ने बताया के साथ मायके अकूतपुर गई थीं। बच्चों से करीब 9.00 बजे बाइक से अकेले करीब 12 बिना हेलमेट लगाए बाइक चला रहे थे। बरही स्थित छोटी माइनर के पास बाइक अचानक सिर पर चोट लग गई नहर में पानी नहीं था, शिवपूजन गिर पड़े। गिरने के दौरान उनके सिर पर ही बेसुध अवस्था में पड़े रहे। आसपास के रात करीब 10.15 बजे परिजन और ग्रामीण को मेडिकल कॉलेज, सद्दरपुर ले जाया जा रहा परिजन मौत किस वजह से हुई इसकी सटीक कि शरीर पर चोट का कोई निशान नहीं है। तक कोई शिकायत नहीं मिली है। पोस्टमार्टम जाएगी। परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़-

शिवपूजन गांव में मजदूरी करके अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनके जाने से घर की पूरी जिम्मेदारी अब एक झटके में बिखर गई है। घर में बूढ़े माता-पिता राम चरन और कमला देवी इस हादसे से सदमे में हैं। जिस बेटे के सहारे उन्होंने बुढ़ापे की उम्मीदें संजोई थीं, उसकी अचानक मौत ने उन्हें तोड़ दिया है। पत्नी मंजू देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। चार मासूम बच्चे सक्षम (12), साक्षी (10) और दो वर्षीय जुड़वां श्रेष्ठ व शिवांश ननिहाल में थे। हर कोई पिता के आने का इंतजार कर रहा था। बच्चे बार-बार पूछ रहे थे कि पापा कब आएंगे। इंतजार की घड़ी में जिंदगी ने अपना सबसे कठोर मोड़ ले लिया। घर पहुंचने से पहले ही एक फोन ने सब कुछ बदल दिया।

ब्रिगेडियर की वर्दी, कार पर स्टार-फ्लैग और बाउंसर; 21 साल के युवक का ऐसा था फर्जी सैन्य साम्राज्य

रोजा थाना क्षेत्र के दुर्गा इंक्लेव में रहने वाला महज 21 वर्षीय आर्यन वर्मा ब्रिगेडियर की फुल ड्रेस पहनकर शाहजहांपुर और आसपास के क्षेत्र में घूमता रहता था। इसकी जानकारी सेना के अधिकारियों तक पहुंची थी। वे अप्रैल से उसका पता लगाने का प्रयास कर रहे थे

लेकिन उसे पकड़ नहीं पा रहे थे। एक युवक के बिग्रेडियर बनकर पूरे दबदबे के साथ घूमने की जानकारी मिलने पर सेना के अधिकारियों ने जाल बिछाया। सेना में भर्ती होने के इच्छुक युवाओं को मोटीवेशनल स्पीच देने के लिए उसे कैंट स्थित शहीद संग्रहालय बुलाया गया। झांसे में आकर कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे बहुरूपिये को सेना के जवानों ने पकड़ लिया। बरेली से आई आर्मी इंटेलीजेंस की टीम युवक से पूछताछ कर रही है। इसके बाद उसे पुलिस को सौंपा जाएगा। ब्रिगेडियर की फुल ड्रेस पहनकर घूमता था आर्यन-रोजा थाना क्षेत्र के दुर्गा इंक्लेव में रहने वाला महज 21 वर्षीय आर्यन वर्मा ब्रिगेडियर की फुल ड्रेस पहनकर शाहजहांपुर और आसपास के क्षेत्र में घूमता रहता था। इसकी जानकारी सेना के अधिकारियों तक पहुंची थी। वे अप्रैल से उसका पता लगाने का प्रयास कर रहे थे लेकिन उसे पकड़ नहीं पा रहे थे। ऐसे फंसा जाल में-अधिकारियों ने उसे जाल में फंसाने के लिए पूरा प्लान बनाया। आम नागरिक बनकर उसे फोन किया गया कि कैंट क्षेत्र स्थित शहीद म्यूजियम में एक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है जिसमें सेना की भर्ती की तैयारी कर रहे युवाओं को प्रेरणादायक संबोधन देना है। आमंत्रण पर ब्रिगेडियर बनकर आर्यन सेना के स्टार और फ्लैग लगी टाटा हैरियर कार से शुक्रवार सुबह शहीद संग्रहालय पहुंच गया।बाउंसर और नकली पिस्टल बरामद

सेना के जवानों ने उसे दबोच लिया। उसके ड्राइवर के पास से भी फर्जी सरकारी आईकार्ड मिला है। साथ में दो बाउंसर भी थे जिन्हें आर्यन एनएसजी कमांडो बताता था। यह भी कहता था कि उसे स्पेशल सिक्योरिटी मिली हुई है। उसके पास आईकार्ड मिला है जिस पर ऑर्म्ड फोर्स के मेडिकल कॉलेज के डीन की सील लगी हुई है जो कि फर्जी है। वह आर्मी रेजिमेंटल केन लेकर चलता था। उसके पास नकली पिस्टल भी मिली है। एसपी सौरभ दीक्षित ने बताया कि आरोपी से अभी सेना पूछताछ कर रही है। आर्मी इंटेलीजेंस भी जांच करेगी। पुलिस को सौंपे जाने पर प्राथमिकी दर्ज कर जांच की जाएगी।

अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में राज्यमंत्री ने लगाए जय श्री राम और हर-हर महादेव के नारे, सामने आया वीडियो

एएमयू में मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने जय श्री राम और हर-हर महादेव के नारे लगाए। उनके बाद वहां बैठे लोगों ने भी जय श्री राम कहा। जय श्री राम और हर-हर महादेव के नारों स

कैनेडी हॉल गूंज गया।उत्तर प्रदेश के उद्यान एवं कृषि विपणन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने एएमयू के कैनेडी हॉल में जय श्री राम और हर-हर महादेव के नारे लगाए। वहां उपस्थित लोगों ने भी उत्साहपूर्वक उनके साथ नारे लगाए। उद्यान राज्य मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) के कैनेडी हॉल में औद्यानिक उन्नयन गोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। कार्यक्रम केंद्र सरकार में प्रधानमंत्री के 12 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में था। राज्य सरकार में मुख्यमंत्री के नौ वर्ष का कार्यकाल भी पूर्ण हुआ था। इन दोनों महत्वपूर्ण उपलब्धियों का जश्न मनाने के लिए यह गोष्ठी रखी गई थी। राज्यमंत्री ने विश्वविद्यालय के संग्रहालय और मौलाना आजाद पुस्तकालय का भ्रमण किया। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा ऐतिहासिक धरोहरों को सहेजने के प्रयासों की प्रशंसा की। दिनेश प्रताप सिंह ने इस कार्य को बेहद प्रशंसनीय बताया। उन्होंने कहा कि इतिहास को संरक्षित कर नई पीढ़ी तक पहुंचाना अत्यंत महत्वपूर्ण है। संग्रहालय में उन्होंने गौतम बुद्ध की प्राचीन प्रतिमा सहित कई दुर्लभ ऐतिहासिक धरोहरों का अवलोकन किया।

संक्षिप्त समाचार

मोहन भागवत जिस ट्रेन में थे, उस पर किया पथराव, पुलिस ने खंगाले 50 से ज्यादा सीसीटीवी; दो नाबालिग पकड़े

शताब्दी एक्सप्रेस ट्रेन पर हुए पथराव के मामले में पुलिस ने दो नाबालिगों को हिरासत में लिया है। यह घटना उस समय हुई जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत इस ट्रेन से यात्रा कर रहे थे।फिरोजाबाद में शताब्दी एक्सप्रेस पर हुए पथराव के मामले में पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दो नाबालिगों को हिरासत में लिया है। जांच में सामने आया कि आरोपियों को ट्रेन में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के सफर की जानकारी नहीं थी, जबकि तीसरे नाबालिग की तलाश जारी है।पुलिस के अनुसार, यह घटना रसूलपुर थाना क्षेत्र में हुई। जब शताब्दी एक्सप्रेस गुजर रही थी, तब किसी ने ट्रेन पर पथराव कर दिया, जिससे एक खिड़की का शीशा टूट गया। रेलवे सुरक्षा बल और राजकीय रेलवे पुलिस को घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, जीआरपी और आरपीएफ की टीमें तुरंत हरकत में आईं और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस अधीक्षक फिरोजाबाद, आदित्य लंघेह ने बताया कि मामले की जांच के लिए 50 से अधिक सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले गए। फुटेज की मदद से तीन नाबालिगों की पहचान की गई, जो कबाड़ बीनने का काम करते हैं। स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा था कि उनमें से एक ने ट्रेन पर पत्थर फेंका था। सीसीटीवी फुटेज और स्थानीय मुखबिरों से मिली जानकारी के आधार पर, इन बच्चों को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में उन्होंने बताया कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं थी कि ट्रेन में कौन यात्रा कर रहा था। आगे की जांच में यह भी पता चला कि तीनों बच्चों का आपराधिक रिकॉर्ड रहा है और वे चोरी के मामलों में शामिल रहे हैं। आरपीएफ ने 2024 में उनके खिलाफ पहले भी एक मामला दर्ज किया था।आगे की कार्रवाई- हिरासत में लिए गए तीन नाबालिगों में से दो को पुलिस ने अपनी हिरासत में ले लिया है, जबकि तीसरे की पहचान भी कर ली गई है और उसे भी जल्द ही हिरासत में लिया जाएगा। इन सभी को अब बाल कल्याण समिति के समक्ष पेश किया जाएगा। रसूलपुर थाने में इस संबंध में एक मामला दर्ज किया गया है।

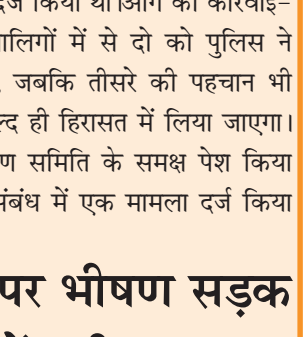

गंगा एक्सप्रेसवे पर भीषण सड़क हादसा, खड़े ट्रक में घुसी कार, एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

आसीवन थाना क्षेत्र में गंगा एक्सप्रेसवे पर खड़े ट्रक से कार टकरा गई, जिसमें सवार चार लोगों की मौत हो गई। मृतक प्रयागराज के बताए जा रहे हैं और पुलिस परिजनों से संपर्क कर रही है।उन्नाव जिले में गंगा एक्सप्रेसवे पर शुक्रवार शाम भीषण सड़क हादसा हुआ। आसीवन थाना क्षेत्र के नंगाखेड़ा गांव के पास किलोमीटर संख्या 387.6 पर सड़क किनारे खड़े एक ट्रक में तेज रफ्तार कार पीछे से जा भिड़ी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार सवार चार लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।मिली जानकारी के अनुसार, यह घटना शुक्रवार शाम करीब पांच बजे के आसपास हुई। कार सवार लोग गंगा एक्सप्रेसवे से गुजर रहे थे, तभी गाड़ी अनियंत्रित होकर सड़क पर खड़े ट्रक से टकरा गई। सूचना मिलते ही आसीवन थाना पुलिस मौके पर पहुंची। आनन फानन घायलों को अस्पताल भिजवाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।प्रयागराज के निवासी होने की आशंका-पुलिस के अनुसार, दुर्घटनाग्रस्त गाड़ी के नंबर के आधार पर प्रारंभिक जांच में पता चला है कि मृतक संभवत: प्रयागराज जनपद के रहने वाले थे। फिलहाल, पुलिस मृतकों की शिनाख्त सुनिश्चित करने के लिए गाड़ी के पंजीकरण विवरण का मिलान कर रही है। परिजनों से संपर्क में जुटी पुलिस- हादसे की सूचना मिलने के बाद हड़कंप मच गया। पुलिस टीम मृतकों के परिजनों से संपर्क करने का हर संभव प्रयास कर रही है, ताकि उन्हें घटना की जानकारी दी जा सके और शवों का पोस्टमार्टम कराया जा सके। आसीवन पुलिस ने मौके से ट्रक को कब्जे में ले लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

Mango or mint: Which chutney is more effective in protecting against the scorching heat and heatstroke? Find out the answer.

Incorporating chutney into your diet during the summer season is very beneficial. Both mint and mango chutney are helpful in protecting against the heat. The scorching sun and hot winds in June severely impact the body. due to the intense sunlight. However, remedies for these problems. protect the body from the heat chutneys are the most commonly more beneficial in protecting against Excessive sweating during the electrolyte imbalance, which situation, chutney made from raw and salt, acts as an excellent from the body and reduces the risk regulate body temperature. chutney can prove to be very summer season. Mint chutney - Sun heaviness, gas, and bloating. Mint's stomach, and menthol provides a body cool from within and soothes coriander, and lemon juice to mint beneficial. Which of the two is more heatstroke and heat stress, and slight advantage. This is because the against heatstroke, which mango chutney provides in abundance. However, this doesn't mean that mint isn't beneficial. Mint chutney is best for calming stomach heat and aiding digestion.

The risk of sunstroke and heat stress is highest our traditional diet also holds some beneficial Chutneys are often included in our diet to during this season. Of these, mango and mint consumed during the summer, but which one is heatstroke? Let's find out. Mango chutney: summer season leads to dehydration and increases the risk of heatstroke. In such a mango, mixed with black salt, roasted cumin, electrolyte supplement. It prevents water loss of dehydration. Additionally, raw mango helps Therefore, mango panna or raw mango beneficial for avoiding heatstroke during the and heat can slow down digestion, leading to anti-inflammatory properties soothe the cooling sensation. Additionally, mint keeps the heat-related discomfort. Adding yogurt, chutney makes its effect even more cooling and beneficial? When it comes to protecting against fighting dehydration, mango chutney has a body needs sodium and minerals to protect

Should you shake hands or hug? Don't be confused when meeting someone, understand the correct method in seconds through body language.

If you're confused about how to greet someone, you should learn some basic body language and social science. Recognizing body language is essential when greeting someone. A handshake is best in a professional environment. When meeting someone, we usually greet people you're close to, you can feel free someone for the first time or have a very problem. A mistake while greeting can confusion, you should know some basic the other person's body language: When body language. This will give you a sense how you should greet them. Notice whether their eyes are frequently attention to whether they're smiling at the person is paying attention and open feet are facing you, they're ready to meet away or their body is turned in a different Furthermore, if the person's hands are hug. If they're holding something or have is sufficient. Signal yourself: You can also If you clearly state your desired greeting Build rapport through conversation meet someone, express enthusiasm

Respect the person's personal boundaries. them by shaking hands or hugging. With to hug and say hello, but if you're meeting formal relationship, how to greet can be a big create awkwardness or hesitation. To avoid this body language and social science. Recognize meeting someone, first pay attention to their of how eager the person is to meet you and whether they're looking directly at you or wandering to objects nearby. Also, pay you. A smile and direct eye contact indicate that to meeting you. Furthermore, if their body and and talk. However, if their feet are pointing direction, they may be hesitant or in a hurry. open and outstretched, it's a clear signal for a just extended a hand, a handshake or a wave decide how you want to greet the other person. when meeting someone, they may respond. before engaging physically. As soon as you through conversation, then move on to a handshake or hug. Exercise extra caution at the workplace - You should always be extra cautious in professional environments. In office or business meetings, avoid any physical touch other than a handshake or wave. Also, be mindful of power dynamics. If you hold a senior position, never initiate a hug from someone junior to you. If you must hug someone in the office, maintain some distance between you and simply bend from the hips and touch shoulders. In such cases, a side hug is sufficient. What if things go wrong? Sometimes, you move in for a hug, but the other person wants to shake hands. If this happens, the best approach is to smile and accept it and say, "Let's just do a handshake." This will prevent any awkwardness between the two. Many people don't like hugs or handshakes. If they refuse a handshake, don't take it personally. Understand that this is the other person's boundary and comfort zone.

Make restaurant-style 'Butter Garlic Naan' at home without a tandoor; the iron pan's secret trick will come in handy.

Tandoori butter garlic naan is simply delicious. You don't need to go out to eat it. It can be easily made at home. Hot tandoori butter garlic naan is our go-to choice with dishes like dal makhani and shahi paneer at butter flavors and the Although most people believe home without a tandoor, you iron pan without easy recipe for tandoori butter garlic naan: 1. First, sift the salt, sugar, baking powder, a small space in the center and melted butter. Mix everything soft dough using lukewarm dough, cover it with a damp for at least 1 to 2 hours. This resulting in fluffy and soft while, knead it gently again. one ball, sprinkle some dry shape with a rolling pin, but be Now, sprinkle finely chopped seeds on the top of the rolled the naan so that all the Carefully flip the naan over so Apply a generous amount of or your fingers. This water will tandoor-like texture. 6. Heat a the hot pan with the water side

restaurants or dhabas. The garlic and tandoor's aroma make it a favorite. that restaurant-style naan is impossible at can easily make it in your kitchen on an compromising on the taste. Let's learn the garlic naan. How to make tandoori butter flour into a large bowl or plate. Now add and baking soda and mix thoroughly. Make add yogurt and two teaspoons of oil or together with your hands and knead into a water. 2. Apply a little oil to the kneaded cotton cloth, and let it rest in a warm place will allow the dough to ferment properly, naans. 3. After letting the dough rest for a Now, roll it into medium-sized balls. Take flour on it, and roll it into an oval or round careful not to make the naan too thin. 4. garlic, coriander leaves, and a little nigella naan. Now gently run the rolling pin over ingredients adhere well to the dough. 5. that the garlic-bearing side is on the bottom. water to the back of the naan using a brush help the naan adhere to the pan, creating a cast-iron pan on high. Place the naan on facing down. Within a few seconds, you'll see bubbles forming on the naan. 7. When the naan is browned on the bottom, hold the pan by the handle, turn it upside down, and, keeping it slightly elevated above the flame, rotate it around to brown the garlic-bearing side. When golden-brown spots appear on the naan, it's ready. 8. Remove the naan from the pan with tongs, brush with melted butter, and serve.

The world's richest singer, worth over 180 billion rupees, will have a grand wedding on July 3rd.

Recently, Forbes magazine released a list of the world's 50 richest people, in which the pop singer has surpassed Rihanna. The tour may be over, but the record still stands. After dominating the music industry for over two decades and making a global impact, the singer has achieved a status unmatched before. The Hollywood singer has been included among the world's richest people, with a wealth so immense that you will be amazed to learn about it. The superstar singer is the owner of a net worth of 2 billion rupees. She began her career in 2005 with Scott Borchetta's label, Big Machine Records. Her first single, "Tim McGraw," was released in 2006. She has now surpassed superstar singer Rihanna in wealth, becoming the owner of trillions. On Wednesday, Forbes magazine shared its list of the world's 50 richest people, which includes prominent figures from various fields including finance, business, technology, media, and entertainment. According to the publication, pop superstar Taylor Swift's net worth is estimated at around $2 billion (?18,990 crore). This success stemmed from her 2023 and 2024 Eras Tour, which only increased her net worth by an estimated $2 billion. She brought about a major change in the music industry in 2020, using her star power to re-record many of her best songs. Taylor Swift is set to tie the knot this July. Taylor Swift is currently in the news for both her professional and personal life. While the singer is releasing back-to-back singles, reports from TMZ indicate that the superstar singer and her fiancé, Travis Kelce, are set to tie the knot at Madison Square Garden in New York City. The wedding will take place on July 3, 2026. Sources indicate that approximately 1,100 to 1,200 guests will attend. It's also being said that preparations for the couple's wedding have already begun, with security expected to be extremely tight. The couple shared the good news of their engagement with fans in August last year. Taylor Swift is set to tie the knot this July - Taylor Swift is currently in the news for both her professional and personal life. While the singer is releasing back-to-back singles, reports from TMZ indicate that the superstar singer and her fiancé, Travis Kelce, are set to tie the knot at Madison Square Garden in New York City. The couple will be married on July 3, 2026. Sources suggest that approximately 1,100 to 1,200 guests will attend their wedding.

Who is director Geetu Mohandas, who is set to deliver the most toxic film of the century? She has already made her way from a National Award to an Oscar.

Geetu Mohandas's debut feature film won two National Awards, and now she's set to deliver the most toxic film of the century to Indian cinema. Who is director Geetu Mohandas? She's directing Yash's "Toxic"? She has previously won National Award nominations for Best Child Artist and Best Lead Actress, and then two National Awards for her directorial debut. Geetu Mohandas, an actress born in Kerala, made a name for herself throughout the state as a child, and as she grew up, her films were acclaimed not only in India but also abroad. If you're incredibly excited by the teaser and look of superstar Yash's upcoming film "Toxic," know that Geetu Mohandas is bringing you this bold, violent, and action-packed film. She will become the first female director to deliver the boldest film of the century. While the film is currently awaiting its release date, let's learn about Geetu Mohandas and her vision behind Toxic. Who is Geetu Mohandas? Geetu Mohandas's real name is Gayatri Das. She was affectionately called "Geetu" in her family; this name became her screen name when she starred opposite Mohanlal in her fourth film, "Onnu Muthal Poojyam Vare," in 1986. Geetu was 5 years old at the time and won the hearts of Malayalam filmgoers. As an adult, Geetu's first film was "Life is Beautiful," starring Mohanlal. She subsequently appeared in "Thenkasi Pattanam," "Valakannadi," "Nammal Thammil," and several other Malayalam films. The turning point in her career was the film "Akale," directed by Shyamprasad and produced by Tom George Kolath, for which she received the Kerala State Award for Best Actress in 2004. Geetu also won the Filmfare Award for Best Actress in Malayalam for her role as Rose in "Akale." Her directorial debut won two National Awards. In 2013, she directed the socio-political film "Liar's Dice." The film won two National Film Awards, premiered at the Sundance Film Festival, and was India's official entry in the Best Foreign Language Film category at the 87th Academy Awards. The most toxic film of the century: Geetu Mohandas's upcoming film "Toxic" stars superstar Yash in the lead role, alongside five leading ladies: Kiara Advani, Nayanthara, Tara Sutaria, Huma Qureshi, and Rukmini Vasanth. People are surprised by the teaser: Ever since the release of "Toxic" and its bold look, people have been surprised to learn that the film was directed by a female director. The teaser's bold scenes, dialogue, and violence have sparked discussions on social media about the story behind such a bold film. Will this film also spark controversy? Will the issue of female objectification arise again? Well, the answers to all these questions will only be known after the film's release. But one thing is certain: Geetu Mohandas must have a vision behind all this. The director's brainchild, who has traveled from Best Child to Best Lead Actress to Best Director to the film's official entry at the Oscars, will certainly not be just another mass or commercial film. Currently, audiences are eagerly awaiting 'Toxic' as it will mark Yash's return to theaters after a long time, and now its look and teaser have made the wait even more exciting. The official release date of the film is expected to be announced soon.

The wealthy film magnate, the grumpy father of heroines, whose voice would make heroes tremble; Raj Kapoor's 'brother' whom cinema has forgotten!

In Hindi cinema, there was a star in the Kapoor family, perhaps unknown to most. That unsung star of the Kapoor family—who made his mark with his commanding voice—mostly played the role of a wealthy businessman. The Kapoor family's status in Hindi cinema continues to this day. This status has existed not just for today or tomorrow, but for decades. The Kapoor family's roots in Hindi cinema go back a long way, and this is why members of the Kapoor family are still acting in films. The journey that began with Prithviraj Kapoor has reached Kapoor and Kareena Kapoor today. But within this same Kapoor family, there was a star about whom very few people know. Who is that wealthy film magnate and the grumpy father of heroines, whose mere voice would make theaters tremble? Today, we tell his story... Who was Raj Kapoor's brother, Pinchu Kapoor? The Kapoor family actor we're talking about was Pinchoo Kapoor. The same Pinchoo Kapoor who was actually Raj Kapoor's brother. Pinchoo Kapoor was Prithviraj Kapoor's nephew and the cousin of showman Raj Kapoor, Shammi Kapoor, and Shashi Kapoor. Despite this, he never relied on this name in the industry and established himself as an independent artist. This is why, although he acted in numerous films, few people knew that he actually belonged to the Kapoor family. Pinchoo Kapoor was born in 1927 in Rawalpindi (now in Pakistan) in undivided India. His family later settled in Jaipur, India. His real name was Lal Pushpendra Kapoor. However, people knew him as Pinchoo Kapoor. His reputation in films: Whenever there's talk of intimidating and tough characters in the history of Hindi cinema, Pinchoo Kapoor's name is invoked with great respect. With his strong voice, charming personality, and polished acting, he left a lasting impression on films of the 70s and 80s. Before entering cinema, he used to perform in theater. After completing his theater career, he felt he should try his hand at cinema, so he went straight from Jaipur to join his brothers Raj Kapoor and Shashi Kapoor. He began his career in the 60s. Initially, he appeared in films like Yehudi, Householder, and Do Boond Pani. However, his real break came with the 1973 film Bobby. In this film directed by his brother Raj Kapoor, he played the role of Raj Sharma (father of Rishi Kapoor's friend). He was often seen in the role of wealthy businessmen in films. He then appeared in the 1978 film Don, in which he played the crucial role of Interpol officer R.K. Malik. The scene in the film, in which a fake Amitabh Bachchan recognizes him, is still remembered. After this, he appeared in numerous films, including Avatar, Karz, Jhootha Kahin Ka, Kamchor, Sharabi, and Haqeeqat. The remarkable thing is that he was seen in most of his films playing the role of a wealthy businessman. Indeed, in real life, he lived a life of great arrogance. His family was influential. He also received similar roles in films. Sometimes he played the heroine's grumpy father, and sometimes he flaunted his wealth. His roles as a judge, lawyer, police commissioner, wealthy businessman, or strict father gave him a distinct identity. In an era when villains were often loud, Pinchu Kapoor presented himself as a calm and stylish villain, weaving a web of deceit. This way, he distinguished himself. He passed away on April 28, 1989, at the age of 62.